दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 01/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 15 जुलाई 2024 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

53 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

विशेष संपादकीय

हौसलों की उड़ान, सफलता का आसमान...दैनिक सांध्यप्रकाश

कभी कहा जाता था कि जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो। लेकिन आज ये हौसला बहुत कम ही मिल पाता है। तोप और तलवारों का मुकाबला करने वालों का अकाल सा पड़ गया लगता है। आज की परिस्थितियां भारत ही नहीं पूरे विश्व के अखबारों के लिए संकट का दौर से चल रहा है। आज सिद्धांतों और आदर्शों पर चल कर कोई भी मुकाम पाना बहुत दुष्कर हो गया है।

इन झंझावातों और चुनौतियों के बीच हम अपने मौलिक स्वरूप में मौजूद हैं। उसी रंग में। उसी ढंग में। और उसी कलेवर और उसी तेवर के साथ। आज भी कहते हैं- आज की खबरों का कल तक क्यों इंतजार, जब हो सांध्यप्रकाश।

सांध्यप्रकाश ने अपने तिरेपन बरस की यात्रा के दौरान बदले हुए राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक और व्यावसायिक परिवेश में मीठे-कड़वे अनुभव हासिल किए हैं। कोविड जैसी बीमारी के संक्रमण से पूरे विश्व का सामना हुआ। जब सड़कें सन्नाटे में डूबी हुई थीं, हम तब भी अपने लोगों के बीच अपनी उपस्थिति कमोबेश दर्ज कराते रहे।

वर्तमान परिस्थितियों में प्रिंट मीडिया तमाम चुनौतियों का सामना कर रहा है। आज के खतरे किसी स्टंट से कम नहीं महामारियों से टूटी अर्थव्यवस्था हालांकि अब रफ्तार पकड़ती दिख रही है, लेकिन प्रिंट मीडिया के लिए सरकारी नियमों से लेकर कारोबारी चुनौतियां सुरसा की भांति मुंह बाए खड़ी हैं। एक तरफ आम आदमी समस्याओं से दो-चार हो रहा है, तो दूसरी ओर बाढ़ के दृश्य हैं और कहीं लोग कर्ज के चक्कर में परिवार सहित आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं। रूस-युक्रेन का युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है, तो इजरायल और फलस्तीन खून बहा रहे हैं।

भारत की जनता ने एक बार फिर नई सरकार चुनी है। पुरानी सरकार कुछ नए साथियों के साथ सत्ता में आई है। लेकिन चुनौतियां कम होती नहीं दिख रही हैं। अखबार का प्रकाशन अनवरत जारी रखना आसान नहीं बचा। आने वाला समय और कठिन हो सकता है। सत्ता में काबिज लोग प्रिंट मीडिया के साथ खड़े नहीं दिख रहे। अब सोशल मीडिया से बड़ा मुकाबला है। पहले इलेक्ट्रानिक मीडिया और अब डिजिटल मीडिया ने अखबारों की जरूरत जैसे खत्म करने की ठानी है। लेकिन इस सबमें पत्रकारिता गर्त की ओर जाती दिखने लगी है। यह कह सकते हैं कि पत्रकारिता को खत्म करने का कुत्सित षड्यंत्र ही चल रहा है।

समाचार पत्रों का इतिहास भले ही बहुत ही समृद्ध और गौरवशाली रहा हो, परंतु वर्तमान ठीक नहीं कहा जा सकता। आज़ादी के आंदोलन के समय देशव्यापी क्रांतिकारी गतिविधियों को सक्रियता मुख्य रूप से हिंदी के समाचार पत्र-पत्रिकाओं से मिली थी। हिंदी पत्रकारिता में गणेश शंकर विद्यार्थी और अन्य हस्तियों ने अपने जोश भरे लेखन से क्रांतिकारी आंदोलन को जन आंदोलन से जोड़ने का काम किया। युवाओं में व्याप्त निराशा को दूर कर उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन के लिए प्रेरित किया। मिशन भावना से प्रकाशित पत्र-पत्रिकाओं और किताबों ने नया इतिहास बनाया। आजादी में अखबारों का विशेष योगदान रहा, यह बात किसी से छिपी नहीं है। इतिहास में दर्ज है।

आज मानो स्वतंत्रता पर ही ग्रहण लग गया है। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर प्रेस की आवाज को दबाने के प्रयास भी चल रहे हैं। इस आजादी को कई बार तो देशद्रोह की संज्ञा तक दे दी जाती है। इस पर इलेक्ट्रानिक मीडिया के साथ ही डिजिटल और सोशल मीडिया का हमला। घुटन भरा माहौल बनता जा रहा है।

ऐसी विषम परिस्थितियों में भी कुछ अखबार हौसला दिखा रहे हैं। दैनिक सांध्यप्रकाश भी उनमें एक है। हमने न न केवल प्रकाशन जारी रखा है, अपितु अपनी पहचान को भी कायम रखने के प्रयासों में जुटे हैं। मध्यप्रदेश की राजधानी से15 जुलाई 1971 को शाम के अखबार के रूप में सांध्यप्रकाश का प्रकाशन प्रारंभ हुआ, उस समय सुबह के ही अखबार गिने-चुने हुआ करते थे। शाम के अखबार का तो चलन ही नहीं था। संभवतः सांध्यप्रकाश देश का पहला सांध्यकालीन समाचार पत्र था। फुल साइज। लोगों की पढ़ने की आदत ही नहीं थी। जबलपुर में जन्मे स्वर्गीय सुरेंद्र पटेल भोपाल में कुछ नया करना चाहते थे। तो शुरू कर दिया शाम का अखबार, फुल साइज वाला। जबकि शाम के अखबार टेब्युलेट साइज में ही निकला करते थे।

नया करना चाहते थे, कर दिखाया। उनके साहस और पत्रकारिता के प्रति निष्ठा रंग लाई और अखबार चल निकला। पत्रकार साथियों की टोली के साथ ही सामान्य लोगों, राजनेताओं और अधिकारियों के बीच जाकर चर्चा के दौर चलते। जिस सर्वे के लिए आज टीमें लगाई जाती हैं, वो अकेले ही कर डाला। जनता का टेस्ट जाना और फिर अखबार में प्रयोग किया। टीम वर्क के सहारे दैनिक सांध्यप्रकाश ने बहुत जल्द अपनी जगह बना ली। पहचान तो बनाई ही, राजधानी के साथ ही प्रदेश भर में विश्वसनीयता भी हासिल कर ली।

एक समय था, लोग शाम को सांध्यप्रकाश ढूंढते। दिन भर की खबरों के लिए ही नहीं, राजनीतिक घटनाक्रम के साथ ही प्रशासनिक खबरों के लिए भी। सुबह के अखबारनबीस भी सांध्यप्रकाश की तलाश में रहते। इस यात्रा में अनेक लोगों का साथ रहा, जो अविस्मरणीय है। और संस्थापक स्वर्गीय सुरेंद्र पटेल के साथ उनकी पत्नी और अखबार की प्रबंध सलाहकार श्रीमती भारती पटेल ने हर कदम पर उनका साथ दिया। आज भी वह आधार स्तंभ की तरह सांध्यप्रकाश के साथ खड़ी हैं।

आज हम झंझावातों से जूझते हुए सांध्यप्रकाश का स्थापना दिवस मना रहे हैं। सामने चुनौतियों का पहाड़ है। संघर्षों का सामना करना हमारा स्वभाव बन गया है। ईश्वर का आशीर्वाद हमारे साथ है। आज भी प्रयास है हम पत्रकारिता के मानदंडों को बनाए रखेंगे और मूल्यों का सम्मान करते रहेंगे।

तूफानों में दिया जलाए रखना है,
चुनौतियों में हौसला बनाए रखना है।

-संजय सक्सेना

डॉ. मोहन कैबिनेट में शाह का शामिल होना तय, बदल सकते हैं मंत्रियों के विभाग

भोपाल। मध्यप्रदेश में कुछ मंत्रियों के विभाग बदले जा सकते हैं। अमरवाड़ा उपचुनाव जीते कमलेश प्रताप शाह का डॉ. मोहन कैबिनेट में शामिल होना तय है। बीजेपी ने शाह को मंत्री बनाने का कमिटमेंट किया है। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव से पहले जातीय समीकरण साधने के लिए जिन विधायकों को मंत्री बनाया गया था, उनमें से कुछ को बड़े निगम-मंडल की कमान देने पर विचार चल रहा है द्य नई जिम्मेदारी के साथ उन्हें मंत्री का दर्जा भी दिया जाएगा। जो सीनियर विधायक मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किए गए थे, उनकी वापसी भी हो सकती है।

मोहन मंत्रिमंडल के विस्तार के संकेत इसलिए भी हैं, क्योंकि 8 जुलाई को कैबिनेट मंत्री बनाए गए रामनिवास रावत को अब तक किसी विभाग की जिम्मेदारी नहीं दी है। मोहन कैबिनेट में 3 पद अब भी खाली हैं। यानी शाह के साथ 2 और विधायकों को मंत्री बनाया जा सकता हैं। भाजपा सूत्रों का कहना है कि तीन वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव, भूपेंद्र सिंह और बृजेंद्र प्रताप सिंह मंत्री पद के प्रबल दावेदार हैं। इन्हें जातीय समीकरण साधने के लिए बनाए गए मंत्रियों के कारण मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिल पाई थी। भाजपा ने भार्गव को लोकसभा चुनाव में स्टार प्रचारक भी बनाया था।

जैसा आदेश होगा, पालन करेंगे: शाह

विधायक कमलेश शाह से मंत्रिमंडल में शामिल होने को लेकर जब सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि सरकार का जैसा आदेश होगा, वैसा ही होगा। शाह ने बताया कि अगर वह मंत्री बनते है तो सबसे पहले वह अमरवाड़ा के विकास पर फोकस करेंगे। जातीय समीकरण साधने में ये बने थे मंत्री- नारायण सिंह पंवारः मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), लखन पटेलः पशुपालन, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), धमेंद्रसिंह लोधीः संस्कृति, पर्यटन व धार्मिक न्यास, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), नारायण सिंह कुशवाहाः सामाजिक न्याय मंत्री, दिलीप अहिरवारः वन एवं पर्यावरण, राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार), प्रतिमा बागरीः नगरीय विकास एवं आवास, राज्यमंत्री।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के संबंध में बैठक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के संबंध में आज एक बैठक मंत्रालय में संपन्न हुई। बैठक में धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग द्वारा प्रजेंटेशन दिया गया। मुख्यमंत्री डा यादव ने निर्देश दिए हैं कि राज्य के अंदर भी नागरिकों को तीर्थ दर्शन करवाएं। अध्ययन कर कार्ययोजना बनाएं। वर्तमान में योजना में देश के प्रख्यात तीर्थ स्थलों की यात्रा वरिष्ठ जन को करवाने का प्रावधान है। धार्मिक न्यास,धर्मस्व मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी बैठक में वर्चुअली शामिल हुए।

जनसंपर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने पदभार ग्रहण किया

भोपाल। नवागत जनसंपर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने सोमवार को जनसंपर्क संचनालय में पहुंचकर जनसंपर्क आयुक्त के पद का पदभार ग्रहण किया। जनसंपर्क विभाग के प्रमुख सचिव और पूर्व जनसंपर्क आयुक्त संदीप यादव ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया और उन्हें कार्यभार ग्रहण कराया. इस मौके पर जनसंपर्क संचानालय में पदस्थ संयुक्त संचालक, अपर संचालक, उपसंचालक, सहायक सचालक स्तर के अधिकारियों और कर्चारियों ने गुलदस्ता भेंट कर नवनियुक्त जनसंपर्क आयुक्त सुदाम खाड़े का स्वागत किया। खाडे ने विभाग के अधिकारियो से विभाग की ताजा गतिविधियों की जानकारी भी ली।

भोजशाला की 2000 पन्नों की रिपोर्ट इंदौर हाईकोर्ट में पेश

इंदौर। धार की भोजशाला मंदिर है या मस्जिद? इस सवाल का जवाब तलाशने के लिए 98 दिन वैज्ञानिक सर्वे किया गया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (स्द्ब) के वकील हिमांशु जोशी ने सोमवार को रिपोर्ट इंदौर हाईकोर्ट में पेश कर दी। ये रिपोर्ट मीडिया से शेयर नहीं करने के निर्देश सभी पक्षों को दिए गए हैं। वकील हिमांशु जोशी का कहना है कि रिपोर्ट 2 हजार पेज की है। इससे ज्यादा कुछ नहीं बता सकते। पता चला है कि यह रिपोर्ट 2000 से ज्यादा पन्नों में है। सर्वे और खुदाई के दौरान मिले 1700 से ज्यादा प्रमाण/अवशेष इस रिपोर्ट में शामिल किए गए हैं। इस पर 22 जुलाई को सुनवाई होगी।

नर्सिंग घोटाले को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन शुरू

भोपाल। नर्सिंग स्कैम, नीट पेपर लीक सहित अन्य परीक्षाओं में हुई धांधली के विरोध में राजधानी भोपाल में पीसीसी के सामने एनएसयूआई का प्रदर्शन शुरू हो गया है। कांग्रेस की स्टूडेंट विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी भी इसमें शामिल होंगे।

प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग

सिंघार ने कहा कि प्रदेश में युवाओं में हताशा है। हर परीक्षा में घोटाला हो रहा है। नर्सिंग परीक्षा में भी बड़ा घोटाला सामने आया है। सरकार फर्जी कॉलेज की परमिशन दे रही है। सरकार विश्वास सारंग पर कार्रवाई क्यों नहीं करना चाह रही। क्या विश्वास सारंग से मुख्यमंत्री डरते हैं। ऐसे भ्रष्टाचारी मंत्री को अपने साथ क्यों रखे हैं। इसका जवाब मुख्यमंत्री दें। नर्सिंग घोटाले से लेकर नीट पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी और अन्य मुद्दों को लेकर विरोध जताने के लिए पूरे प्रदेश से एनएसयूआई कार्यकर्ता आए हैं। इनमें नर्सिंग घोटाले के पीड़ित स्टूडेंट्स से लेकर नीट यूजी के अभ्यर्थी, पटवारी भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थी शामिल हैं।

विधायक ने किया कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह का आयोजन

लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं का परिश्रम प्रचंड विजय के रूप में सामने आया : रामेश्वर शर्मा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

लोकसभा चुनाव 2024 में हुजूर विधानसभा से भाजपा ने प्रचंड मतों से जीत दर्ज की थी। इस जीत का आंकड़ा विधानसभा चुनावों की जीत से भी बड़ा था। जिसके परिणामस्वरूप मतदाताओं की जनसंख्या के आधार पर भाजपा ने हुजूर विधानसभा से भोपाल लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक मतों से जीत दर्ज की। इस ऐतिहासिक विजय को लेकर रविवार को विधायक रामेश्वर शर्मा ने भोपाल स्थित हिंदी भवन में कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह का आयोजन किया। समारोह का भोपाल के नवनिर्वाचित सांसद आलोक शर्मा, विधायक शर्मा, भोपाल जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, भोपाल ग्रामीण जिलाध्यक्ष केदार मंडलोई ने दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया। इस दौरान हुजूर के हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हुजूर के सभी आठ मंडलों में सर्वाधिक मतों से जीत दर्ज कराने वाले बूथ के अध्यक्षों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विधायक शर्मा ने जीत के लिए जुटे अपने परिश्रमी कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए संबोधित किया।

अभिनंदन समारोह में संबोधित करते हुए भोपाल लोकसभा सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि – प्रचार के दौरान हुजूर के कार्यकर्ताओं की लगन और अथक परिश्रम ने सबको प्रभावित किया। इसके साथ ही रामेश्वर जी का अद्वितीय प्रबंधन ऐतिहासिक विजय में मील का पत्थर साबित हुआ। उन्होंने आगे कहा कि – हुजूर विधानसभा के कार्यकर्ताओं ने कठोर परिश्रम कर मुझे लोकसभा पहुँचाया है। यह केवल भाजपा में ही संभव है कि विधानसभा चुनाव में रामेश्वर शर्मा जी 97 हज़ार से जीते लेकिन उन्होंने संकल्प लिया कि वह भाजपा को विधानसभा चुनाव से अधिक मतों से लोकसभा चुनाव में जिताएंगे। उनके संकल्प की पूर्ति के लिए कार्यकर्ताओं ने जो अपार मेहनत की वह प्रणम्य है। आप कार्यकर्ता पार्टी के प्राण है, आत्मा और रीड की हड्डी हैं। ये जीत आपके श्रीचरणों में समर्पित करता हूँ।

विधायक रामेश्वर शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हुजूर विधानसभा ने भोपाल लोकसभा में अपनी जीत का जो रिकार्ड बनाया है, उसमें कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने हुजूर से 1 लाख 36 हज़ार 456 मतों के साथ 76 वोट प्राप्त प्राप्त किए।

गुर्जर महासभा की कार्यकारिणी भंग, नई का गठन शीघ्र

भोपाल। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा मध्य प्रदेश की पुरानी कार्यकारिणी भंग कर दी गई है नई कार्यकारिणी का गठन शीघ्र किया जाएगा यह निर्णय अखिल भारतीय गुर्जर महासभा की प्रदेश स्तरीय बैठक में नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह पटेल की अध्यक्षता में भोपाल के गुर्जर भवन में लिया गया इस मौके पर निवतमान अध्यक्ष श्री पाटिल का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया बैठक को संबोधित करते हुए मुरैना के विधायक दिनेश गुर्जर ने कहा कि मैं आज समाज के दम पर आपके सामने विधायक के रूप में हूं गुर्जर समाज ने ही मुझे विधायक बनाया है मैं समाज के हित में 24 घंटे सेवा के लिए तैयार हूं बैठक की अध्यक्षता करते हुए देवेंद्र पटेल ने कहा कि गुर्जर महासभा कीयुवा एवं महिला विंग भी भंग कर दी गई है अब वरिष्टों से विचार विमर्श करके शीघ्र ही गुर्जर महासभा की नई कार्यकारिणीकागठन किया जाएगा।

महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता हाकम सिंह गुर्जर ने बताया कि बैठक के बाद गुर्जर भवन प्रांगण में वृक्षारोपण भी किया गया महासभा की बैठक को गुर्जर समाज समिति के अध्यक्ष रामनिवास गुर्जर पूर्व अध्यक्ष जबर सिंह गुर्जर बृजमोहन गुर्जर अमर सिंह मावई होतम सिंह गुर्जर देवेंद्र गुर्जर रूकम द सिंहघुरैया भैरों सिंह गुर्जर राजा भैया पटेल भगत सिंह गुर्जर हीरालाल गुर्जर रमेश गुर्जर जसवंत गुर्जर गोविंद गुर्जर सजन गुर्जर जगदीश गुर्जर मनोहर कराड़ा रामचंद्र गुर्जर सहित समाज के कई वरिष्ठ जनों ने बैठक को संबोधित करते हुए समाज सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए कार्यक्रम का सफल संचालन रमेश गुर्जर एवं आभार व्यक्त राष्ट्रीय प्रवक्ता हाकम सिंह गुर्जर ने किया।

अर्जुन नगर फैस -2 वार्ड 31 में लगभग 37 लाख की लागत से सीवेज लाइन कार्य का भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, पार्षद श्रीमती वृजला सचान एवं रहवासीगण उपस्थित रहे।

हिंदू महासभा की प्रांतीय कार्यकारणी भंग

भोपाल। अखिल भारत हिंदू महासभा मध्य प्रदेश संगठन की महत्वपूर्ण बैठक दानिश नगर भोपाल में संपन्न हुई, इस बैठक में संगठन के राष्ट्रीय महासचिव देवेन्द्र पाण्डेय की विशेष उपस्थिति रही बैठक में राष्ट्रीय महासचिव देवेन्द्र पाण्डेय ने प्रदेश संगठन की प्रांतीय कार्यकारणी को भंग करते हुए नवीन सत्र के लिए सर्व सम्मति से रोहित दुवे को प्रांतीय अध्यक्ष निर्वाचित किया गया, रोहित दुवे अति शीघ्र नवीन कार्यकारणी का गठन करेगे , संगठन विस्तार की प्राथमिक्त सब का दायित्व होगा इस निर्णय को सभी ने सराहना की और संकल्प लिया की एक वर्ष के भीतर हिंदू महासभा का गठन वार्ड और ब्लॉक स्तर पर कर लिया जाएगा । इस बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ सुनंदा दुवे, राष्ट्रीय मंत्री पवन त्रिपाठी, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री दिनेश सुगंधी संत महासभा अध्यक्ष विजय रामदास जी महामंडलेश्वर मुख्य रूप से उपस्थित रहे , विनोद जोशी ग्वालियर से शिवकुमार भार्गव जी मंडीदीप से राकेश मिश्रा जी गौरव शर्मा जी भोपाल से वीर सिंह राजपूत युवा महासभा प्रदेश अध्यक्ष ओम आजाद बुरहानपुर से शांतनु सिंह जी भोपाल से राकेश मिश्रा जी भोपाल से दीपक विश्वकर्मा जी विजय जी शल्क राम तिवारी जी होशंगाबाद से माखन बैरागी की धार से गोपाल व्यास जी उज्जैन से प्रवेश विनोदिया भोपाल से उषा उषा विजय ठाकुर उपस्थित रहे।

कायस्थ प्रतिभा सम्मान में 43 कन्याओं को वितरित किये गए 3 लाख के चेक

भोपाल। स्व. डॉ आर के बिसारिया जी की स्मृति में चित्रगुप्त समाज भोपाल द्वारा बिसारिया फाउंडेशन के माध्यम से कायस्थ कन्या प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन चित्रांश भवन, चित्रगुप्त मन्दिर परिसर, जवाहर चौक, टी टी नगर भोपाल में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रतिभावान 43 कन्याओ को राशि तीन लाख रुपए के चेक स्कालरशिप एवं पुरुस्कार हेतु प्रदान कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए। समारोह के मुख्य अतिथि अपर मुख्य सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री मलय श्रीवास्तव, पूर्व मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव, डॉ राजेश कानूनगो, डॉ रीना कानूनगो, चित्रगुप्त समाज भोपाल के अध्यक्ष राजेश नारायण श्रीवास्तव, महासचिव सुशील श्रीवास्तव, पी डी खरे, श्रीमती सुधा जौहरी, द्वारा कन्याओ को विभिन्न राशियों के चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन में बिहार से पधारे वरिष्ठ समाजसेवी राजेश्वर प्रसाद, कल्पना श्रीवास्तव, रेणु सक्सेना, आर के श्रीवास्तव, अभय प्रधान, ओपी श्रीवास्तव, संजीव श्रीवास्तव, उदय श्रीवास्तव, अनुपम श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, आदित्य भटनागर, श्रवण भटनागर, दीप श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जी एम जौहरी, विभा श्रीवास्तव एवं सहर्ष श्रीवास्तव ने किया। आभार प्रदर्शन आर के खरे द्वारा किया गया।

भगवान झूलेलाल चालीहा महोत्सव का कल से होगा शुभारंभ, तैयारियां शुरू

सिंधी समाज द्वारा 40 दिनों तक देश की खुशहाली के लिए की जाती है कठोर तपस्या

संत हिरदाराम नगर। सिंधी समाज के इष्टदेव भगवान झूलेलाल का सबसे बड़ा अस्था का पर्व चालीहा महोत्सव का 16 जुलाई से शुभारंभ होगा। इसको लेकर मंदिरों में तैयारियां शुरू कर दी गई है। यह महोत्सव 40 दिन तक लगातार चलेगा और 24 अगस्त को समापन होगा। संत नगर के झूलेलाल मंदिरों में रोजाना उत्सव का माहौल होगा। रोजाना धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। संत नगर में तीन अलग-अलग स्थानों पर आयोजन किया जाता है। एच वार्ड स्थित प्राचीन झूलेलाल मंदिर, न्यू बी 10 स्थित मंदिर वहीं पानी के टंकी के पास स्थित झूलेलाल मंदिर पर यह आयोजन होगा। सिंधी समाज में झूलेलाल चालीहा महोत्सव का विशेष महत्व है। यह पर्व कठोर तपस्या वाला पर्व है इसमें श्रद्धालु 40 दिन तक उपवास रखकर कठोर तपस्या करते हैं और देश की खुशहाली की कामना करते हैं।

श्रद्धालुओं का कहना है कि यह मनोकामनां वाला पर्व है। झूलेलाल भगवान वरूणदेवता के अवतार माने जाते हैं। इसलिए समाज के लोग जल व ज्योति की विशेष रूप से पूजा करते है। एच वार्ड स्थित मंदिर में प्रतिदिन बहिराणा साहिब की ज्योत प्रज्जवलित की जाएगी और आरती के बाद शीतलदास की बगिया में विसर्जित की जाएगी। यह सिलसिला 40 दिनों तक चलता रहेगा। इस बीच भजन कीर्तन छेज, डांडिया, नृत्य प्रतिदिन होता है। वहीं पानी की टंकी के पास झूलेलाल कल्याण मंडलम सेवा समिति आयोजन करेगी। जहां हवन पूजन बहिराणा साहिब की ज्योत के साथ महोत्सव का शुभारंभ होगा। 40 दिनों तक भजन कीर्तन, सुबह और शाम को आरती होगी इसके अलावा प्रसादी वितरण भी होगा।

न्यू बी झूलेलाल मंदिर पर प्रतिदिन होगा भण्डारा

विगत 36 सालों से स्व. दादा साबूमल रीझवानी द्वारा चालीहा महोत्सव मनाया जा रहा था लेकिन इस बार उनके बिना यह महोत्सव मनेगा। रीझवानी भगवान झूलेलाल के परम भक्त थे। 40 दिन तक कठोर तपस्या करते थे। हालांकि इस बार उनके परिवार द्वारा चालीहा महोत्सव मनाया जाएगा। 40 दिनों तक भण्डारा होगा और प्रतिदिन पूजा अर्चना होगी।

भारतीय स्टेट बैंक ज्ञानार्जन केन्द्र ने किया योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

भोपाल। भारतीय स्टेट बैंक ज्ञानार्जन केन्द्र भोपाल द्वारा बैंक के नवनियुक्त परिवीक्षाधीन अधिकारीगण एवं कर्मचारियों के लिए योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षण योग गुरु महेश अग्रवाल द्वारा दिया गया। इस अवसर पर केन्द्र के निदेशक संजय कुमार ने कहा कि किसी भी कार्य क्षेत्र में मनुष्य की प्रगति के लिए न केवल उसको शारीरिक रुप से स्वस्थ होना चाहिए, बल्कि उसका मानसिक रुप से स्वस्थ होना भी अनिवार्य है। इस अवसर पर प्रमुख रुप से संकाय प्रमुख मुख्य प्रबंधक नीरज याग्निक सहित पूरे देश से बैंक के नवनियुक्त परिवीक्षाधीन अधिकारीगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहें। योग गुरु महेश अग्रवाल ने योग आसन एवं प्राणायाम का अभ्यास का प्रशिक्षण देते हुए यौगिक जीवनशैली और चक्रों की सजगता के बारे में बताया कि स्नायुतंत्र और मस्तिष्क के बीच व्यवहार का एक संबंध होता है, वैसे ही व्यवहार का एक संबंध सूक्ष्म शरीर में स्थित चक्रों का मस्तिष्क के साथ होता है। उन्होंने उदाहरण दिया कि शरीर का व्यवहार मस्तिष्क द्वारा नियंत्रित होता है। मस्तिष्क स्नायुतंत्र को आदेश देता है- हाथ हिलाओ। मस्तिष्क का आदेश स्नायुतंत्र में आता है, हाथ हिलते हैं, हाथ हिलने के बाद स्नायुतंत्र से संदेश जाता है कि हाथ हिल गया है। जैसे मस्तिष्क और स्नायुतंत्र के संबंध के कारण शरीर में हलचल होती है, उसी प्रकार सूक्ष्म शरीर में स्थित चक्रों और मस्तिष्क के सम्पर्क और संबंध के कारण जीवन में विभिन्न अवस्थाओं का अनुभव भी होता है।वास्तव में देखा जाए तो जीवन चक्रों की ही अभिव्यक्ति है। विकल्प अनेक होते हैं, लेकिन सही चयन का निर्णय हमको लेना है कि हम किस अनुभूति को, किस अवस्था को अपने जीवन में स्थान देना चाहते हैं, क्योंकि जीवन का उद्देश्य है सीमित से असीम की ओर जाना।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस ट्रेड यूनियन ने 14 सूत्रीय मांगों के निराकरण का सौंपा पत्र

भोपाल। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस ट्रेड यूनियन रजि. 7262 द्वारा पूर्व में शासन प्रशासन को सफाई कर्मचारियों की मांगों को लेकर मांग पत्रों के माध्यम से अवगत कराया जा चुका है परन्तु कोई निराकरण अथवा चर्चा नहीं हो सकी, जिस हेतु पुन: 14 जुलाई, 2024 को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चरण सिंह टांक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के प्रमुठा महामंत्री श्री टी.पी. दास, एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाकारियों एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री मगन झांझोट ने बैठक में चर्चा कर शासन प्रशासन को पुन: 14 सूत्रीय ज्ञापन प्रस्तुत कर निराकरण हेतु ध्यान आकर्षित करते हुए अवगत कराया कि यदि शीघ्र ही इन मांगों का निराकरण नहीं किया जाता है तो संगठन द्वारा आने वाले समय में

उप आन्दोलन किया जायेगा। मांगे निम्नानुसार हैं- सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के नगर निगम व नगर पालिकाओं से सफाई ठेका पूर्णत: समाप्त की जाए । सफाई कामगार पति/पत्नि में से किसी एक की मृत्यु होने पर अनुकम्पा नियुक्ति दी जावे । सफाई कामगार पद पर रोस्टर प्रणाली पूर्णत: समाप्त की जाये एवं सफाई वर्ग के लिए सीधी भर्ती कर नियम शिथिलीकरण किया जाये सफाई कर्मचारी की आयु 50 वर्ष से अधिक व 25 वर्ष से अधिक सेवाकाल पूर्ण होने पर स्वेच्छा सेवानिवृत्ति देकर के आधार पर परिवार के एक सदस्य को नियुक्ति का लाभ दिया जावे । पूर्व आदेश के अनुसार आश्रितों को नियुक्ति दी जावे आदि शामिल है।

हमीदिया महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुई मंत्री कृष्णा गौर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शा.हमीदिया महाविधालय भोपाल में आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन की स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने संबोधित कर भारत के प्रधानमंत्री का जताया आभार, एक्सीलेंस महाविधालय के माध्यम से छात्रों को मिलने वाले अनेकों लाभ की दी जानकारी एवं छात्रों के उज्वल भविष्य की कामना, भव्य, सुंदर, सफल आयोजन के लिए जन भागीदारी समिति अध्यक्ष एवं महाविद्यालय की प्राचार्य को दी बधाई दी । कार्यक्रम को अतिथि सुंदरलाल शर्मा केंद्रीय व्यवसायिक संस्थान के संयुक्त निर्देशक डॉ.दीपक पालीवाल , महाविधालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री देवेंद्र सिंह रावत, महाविधालय की प्राचार्य डॉ.पुष्पलता चौकसे ने भी किया संबोधित ।

इस अवसर पर भोपाल, नर्मदापुरम संभाग उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ.मथरा प्रसाद, महाविधालय के पूर्व वरिष्ठ छात्र भरत चतुर्वेदी मंचासीन थे। संबोधित से पूर्व कार्यक्रम के शुभारंभ पर अतिथियों के द्वारा फीता खोलकर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शा.हमीदिया महाविधालय भोपाल में किया प्रवेश, महाविद्यालय में स्थापित भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ हिंदी ग्रंथ अकादमी काउंटर का किया प्रारंभ, विधा वन का अवलोकन कर किया पौधारोपण, स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण एवं बस सेवा का किया उद्घाटन । महाविद्यालय की प्राचार्य एवं स्टॉप सदस्यों द्वारा मंचासीन अतिथियों का किया गया स्वागत । अतिथियों के संबोधित के पश्चात, इंदौर से प्रसारित भारत सरकार के गृहमंत्री अमित शाह एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के द्वारा प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन कार्यक्रम को देखा। कार्यक्रम में कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त, शिक्षा विभाग के अधिकारी, जन भागीदारी समिति के सदस्यगण, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्यगण, महाविधालय के प्रोफेसर गण, देवेंद्र सिंह चौहान, महेश मालवीय, कैलाश सोनी, राजेंद्र जैन, घनश्याम सिलावट आदि मौजूद रहे।

आखिर भोपाल में कोई कैलाशजी क्यों नहीं हैं ?

इंदौर एक जीवंत शहर। यहां हर शहर वासी से लेकर राजनेता तक इंदौर को लेकर जज़्बाती है। तापमान 45 डिग्री तक क्या पहुंचा इंदौर ने अपने पूरेआंचल को हरा भरा करने की ठानी और सिर्फ ठानी ही नहीं विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। व्यापार से भरे इस शहर में बुद्धि विलास भी कम नहीं है। हर क्षेत्र में इंदौर कई गुना आगे है साफ सफाई, पढ़ाई लिखाई, कला धर्म संस्कृति खेल सब में आगे। कोई भी शहर आगे तब बढ़ता है जब इस शहर के राजनेता दूरदर्शी हो। इंदौर को इस नए रंग रूप से लेकर विश्व पटल पर छा जाने तक के मामले में इसका श्रेय 40 दशक से यहां शहर की चिंता कर रहे श्री कैलाश विजयवर्गीय को दिया जा सकता है।

शहर का वास्तु खराब है पितृ दोष है तो पितृ पर्वत विकसित होना चाहिए। वहां हनुमान जी की प्रतिमा होनी चाहिए। इसका संकल्प कैलाश जी जैसे जुनूनी नेता ही ले सकते हैं। भले ही संकल्प पूर्ति के लिए कई सालों तक अन्न त्यागना पड़े। इंदौर में रिंग रोड से लेकर कई ओवरब्रिज और नया विकसित इंदौर कैलाश जी और उनकी टीम के दूरदर्शी फैसलों के कारण है। वर्ष 2000 में जब कैलाश जी इंदौर के महापौर बने तो सड़कों के चौड़ीकरण को फैसला लिया गया और इसे भी उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 2 से लागू कराया। इसे एक राजनेता का दुस्साहस भी कह सकते हैं। सड़क चौड़ीकरण का फैसला वह भी अपने क्षेत्र से ऐसा निर्णय हर कोई नहीं कर सकता। इसके लिए कलेजा चाहिए।

बीआरटीएस कॉरिडोर का मुद्दा हो, अपराधों को लेकर सजगता, नाइट कल्चर में बढ़ती फूहड़ता को रोकने का मामला हो। विजयवर्गीय राष्ट्रीय नेता होने के बावजूद इंदौर के मामलों में सीधे दखल देते हैं। उनका मकसद इंदौर की तरक्की और उसके भविष्य को लेकर होता है।

ठीक इससे उलट मध्य प्रदेश की राजधानी है भोपाल। इस लेख का मूल विषय भी यही है। इंदौर की सिर्फ भूमिका थी। प्रतीक रंजन ने लिखा था कि

इस शहर में मुर्दों की तादाद बहुत है
कौन कहता है कि ये आबाद बहुत है,
जुल्मों के खिलाफ यहां कोई नहीं बोलता,
बाद में करते सभी बात बहुत हैं।।

ऐसा लगता है कि यह सिर्फ भोपाल के लिए लिखा गया। भोपाल में समस्याओं की कमी नहीं है। यहां स्मार्ट सिटी के लिए आने वाला फंड विकास के बजाय सौंदर्यकरण पर खर्च हो गया। तात्या टोपे नगर का दशहरा मैदान स्मार्ट सिटी के अफसरों ने बर्बाद कर दिया। भोपाल के नेता चुप रहे।

भोपाल की सकरी सड़कों पर बीआरटीएस कॉरिडोर की जरूरत नहीं थी लेकिन जनता के 160 करोड रुपए इस कॉरिडोर में फूंक दिए गए। 15 साल बैरागढ़ से लेकर मिसरोद की जनता ने कॉरिडोर के दंश को झेला लेकिन यथा राजा तथा प्रजा। ना नेता बोले न जनता। 1980 के दशक के अंत में जब भोपाल में राम जन्मभूमि आंदोलन कीशुरुआत हुई तो हिंदुत्व से जुड़े मुद्दों में शहर के बीच में बना बूचड़खाना, आधी रात तक खुले रहने वाले मुस्लिम बहुल मोहल्लों के बाजार हिंदू नेता पंडित उद्धव दास मेहता और अमरचंद अजमेरा के भाषण में जरूर होते थे, लेकिन 20 साल की भाजपा सरकार में बूचड़खाने की एक ईंट सरकना तो दूर उसे मौजूदा स्थान से हटाने का भाजपा के ही एक विधायक ने विरोध किया।

मेट्रो कहां से कहां तक चलेगी इसका फैसला नेताओं के बजाय अफसरों ने लिया। भोपाल का हमीदिया रोड सबसे प्रदूषित सड़क है। पिछले 20 सालों में इस सड़क को लेकर कोई योजना नहीं बन सकी। थोड़ी सी बारिश में शहर कि यह सबसे मुख्य सड़क दो-चार घंटे के लिए बंद हो जाती है। बाबूलाल गौर जब 2005 में मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने कहाथा कि जेके रोड भोपाल की सबसे सुंदर सड़क होगी। पिछले 19 सालों से यहां हर साल निर्माण कार्य होता है और अगली बारिश में वापस सड़क बदहाल हो जाती यह क्रम बदस्तूर जारी है। शहर के लिए यह मुद्दे छोटे हो सकते हैं।

इस गर्मी में भोपाल का पारा भी 45डिग्री तक पहूंचा। अपनी हरियाली के लिए पहचान रखने वाला भोपाल कंक्रीट के जंगल में बदल चुका है लेकिन यहां के किसी जनप्रतिनिधि ने कैलाशजी की तरह साहसिक कदम उठाने का फैसला नहीं किया। नाइट कल्चर भोपाल में भी बहुत हावी है। पुराने शहर की दुकान रात 3ः00 बजे तक खुली रहती है, संभवतया भोपाल देश के राज्यों की एकमात्र राजधानी होगी यहां दुकान बंद कराने जाने वाली पुलिस कोदौड़ा-दौड़ा कर पीटा जाता है। यहां आईपीएस अफसर की आंख भी फोड़ी गई, पुलिस के ऊपर चाय भी फेंकी गई और थानाप्रभारी की पिस्टल भी छीनी गई।

पुराने शहर आधी रात तक बाजार खुलने का अलग कारण है और नए शहर में अलग। भले ही पूर्व मुख्यमंत्री उमाभारती शराबबंदी को लेकर आंदोलन करती रही हो। वे भोपाल की सांसद भी रहीं हैं। भोपाल में पब रात 3ः00 तक खुले रहते हैं। पुराने शहर में पिटने वाली पुलिस नए भोपाल में इसे संरक्षण देती है। इन पब में कम उम्र की बच्चियां सुबह होने तक डांस करतीहैं। इसके बाद क्या-क्याहोता है लिखा नहीं जा सकता। वह प्यारे मियां टाइप के लोगों का शिकार होती हैं। इन्ही पब से हनी ट्रैप गिरोह चलते हैं, जो लोगों को फंसाकर हर महीने लाखों वसूल रही है।

पुलिस और आबकारी विभाग अपना काम कर रहे हैं और भोपाल के नेता अपना। भोपाल एकमात्र ऐसा शहर होगा जहां सरकारी फुटपाथों पर शराब की दुकानें आवंटित की गई है। यहां नेशनल हाईवे पर साइकिल ट्रैक बनाया गया है और नेशनल हाईवे पर ही मैरिज गार्डन भी। ट्रैफिक भोपाल की मूल समस्या है। लेकिन इस सबसे अलग भोपाल में कोई पुरसाने हाल नही है। अरेरा पहाड़ी छोटी-छोटी बिल्डिंग बनाकर खत्म कर दी गई है। अयोध्या बायपास बनाया गया था लेकिन नगर निगम और स्थानीय नेताओं के भ्रष्टाचार ने इस रोड पर इतनी कालोनियां बसा दी की एक नया हाईवे बनाना पड़ा है। अब इस नए हाइवे पर कालोनियां कट रही है।

भोपाल का कोई एक नेता नहीं सबकी अपनी टेरेटरी

इसे भोपाल का दुर्भाग्य कहा जाएगा की 40 साल में सिर्फ दो ही सांसद ऐसे हुए जो भोपाल में जन्मे थे। मौजूदा विधायकों में भी दो विधायक ऐसे हैं, जो ना तो भोपाल में जन्मे न यहां के स्कूल कॉलेज में पढ़े। यहां विधायकों की अपनी-अपनी टेरेटरी है। सत्ताधारी दल का एक कार्यकर्ता दूसरे क्षेत्र में जा नहीं सकता। ऐसे में पूरे भोपाल की समस्याओं को लेकर कौन आवाज उठाए। भोपाल की जनता उदयपुर में मारे जाने वाले कन्हैयालाल के नाम पर वोट दे ही रही है। प्रदूषण, बढ़ते तापमान, बिगड़ती कानून व्यवस्था, ट्रैफिक की समस्या से जूझ रहे भोपाल को भी एक कैलाश विजयवर्गीय की जरूरत है, ताकि भोपाल भविष्य में एक अच्छे शहर के रूप में पहचाना जाए।

धर्मेंद्र पैगवार

भगवान श्रीकृष्ण का सम्पूर्ण जीवन हमें त्याग और जीने की प्रेरणा देता है: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव श्रीकृष्ण पाथेय कार्यक्रम में हुए शामिल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण का सम्पूण जीवन हमें त्याग और जीने की प्रेरणा देता है। उनका जीवन आदर्श से भरा हुआ है। कठिन से कठिन समय में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेकर नई ऊर्जा प्राप्त होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में श्रीकृष्ण पाथेय कार्यक्रम में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े अनेक प्रसंग हैं। उन्होंने मानव अवतार में समाज के कल्याण के लिए अनेक कार्य किए। उनके प्रसंगों से हमें समाज कल्याण की शिक्षा मिलती है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा बनाई गई नई शिक्षा नीति = 2020 में भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े पाठ्यक्रमों को भी सम्मिलित किया गया है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण जानते थे कि जिसने जन्म लिया है, उसकी मृत्यु भी होगी। इसलिए वह हमेशा मुस्कराते रहते थे। उन्हें मृत्यु का कोई भय नहीं था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों को जीवित रखने के लिए उनसे जुड़े स्थानों का विकास किया जा रहा है। मध्यप्रदेश की तरह ही राजस्थान, असम, पूर्वोत्तर राज्यों सहित पूरे देश में भगवान कृष्ण की स्मृतियों को अक्षुण्ण बनाए रखने का कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से हमें लोकतंत्र चलाने की भी सीख मिलती है। उनके जीवन को समझने के लिए गहराई तक जाना जरूरी है। उनका जीवन समुंदर की भांति है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन सहनशीलता, समझदारी और संवेदनशीलता का समुच्चय है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में राज्य सरकार द्वारा जनहित के अनेक कार्य किए जा रहे हैं। गलती करने वालों को दंडित भी किया जा रहा है। समाज के कल्याण के कार्यों में कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है। सरकार के उत्तरदायित्व का संवेदनशीलता से निर्वहन किया जा रहा है। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के विकास एवं भगवान श्रीकृष्ण के जीवन पर केंद्रित लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया।

जनता से जुड़े रेलवे के मुद्दों को लोकसभा में उठाऊंगा : आलोक शर्मा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि जनता से जुड़े रेलवे के मुद्दों को लोकसभा में उठाउंगा। जन सुविधाओं में विस्तार होना चाहिए। जनता को ट्रेनों में आसानी से रिर्जवेशन मिले इसके लिए भोपाल से मुम्बई, पूना और रीवा के लिए नई ट्रेन का प्रस्ताव रखेंगे। सांसद आलोक शर्मा ने रविवार को मंडल रेल प्रबन्धक श्री देवाशीष त्रिपाठी के साथ बैठक की। रेल विभाग से संबंधित विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। बैठक में बैरसिया में रेलवे लाइन का सर्वे, राजधानी के अंतर्गत भोपाल, रानी कमलापति, संत हिरदाराम नगर एवं निशातपुरा स्टेशनों के विकास संबंधी तथा गाड़ियों के परिचालन विषय पर चर्चा हुई। संत हिरदाराम नगर से मुम्बई बाया सूरत नई ट्रेन, रानी कमलापति से पूना नई ट्रेन, भोपाल से रीवा नई ट्रेन चलाने पर चर्चा की।

भोपाल से बीना की तरह भोपाल इटारसी के लिए मेमो सर्विस शुरू करने बात रखी। मालवा एक्सप्रेस सहित विभिन्न ट्रेनों के संचालन, निशातपुरा से अतिक्रमण हटाने व अन्य मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। डीआरएम ने सहयोग के साथ जनता से जुड़े सभी विषयों को प्राथमिकता के साथ हल करने का आश्वासन दिया। जल्द ही एक ज्वाइंट विजिट रेलवे अधिकारियों के साथ निशातपुरा स्टेशन पर करने का निर्णय लिया है। बैठक में मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी, अपर मंडल रेल प्रबंधक योगेश सक्सेना, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक सौरभ कटारिया, वरिष्ठ मंडल ऑपरेटिंग प्रबन्धक निरीश राजपूत, प्रदेश कर समिति सदस्य सत्यार्थ प्रकाश अग्रवाल वरिष्ठ मंडल यांत्रिकी प्रबन्धक ऋषिराज शर्मा एवं मंडल ऑपरेटिंग प्रबन्धक प्रमोद जाधव उपस्थित रहे।

स्कूटर स्कूल के माध्यम से आदिवासी बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास

भोपाल। स्कूटर स्कूल के माध्यम से गरीब आदिवासी बंजारा समाज के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास समाजसेवी विजय अय्यर कर रहेहैं एक अनोखे अंदाज में बच्चों को शिक्षित करने का प्रयास उन्होंने अपनी स्कूटर में को डिजाइन कर बनाया है स्कूल स्कूटर एजुकेशन एक्सप्रेस जिसमें लैपटॉप वाइटबोर्ड एवं चार्ट के माध्यम से बच्चों को पढ़ाते हैं वह रोजाना मलिन बस्तियों निर्माणाधीन कॉलोनी मैं जाकर मजदूर एवं बंजारा समाज के बच्चों को शिक्षित कर रहे हैं साथ ही उन्हें कपड़े खिलौने एवं स्टेशनरी का वितरण कर रहे हैं शिक्षा के क्षेत्र में नया आयाम जोड़ते हुए विजय अयर अय्यर ने गरीब आदिवासी माइग्रेट वर्कर मलिन बस्तियों में रहने वाले बच्चों के लिए स्कूटर स्कूल का लॉन्च किया है जिसमें वाई-फाई टीवी स्क्रीन व्हाइट बोर्ड रीडिंग चार्ट्स के साथ बच्चों के पढ़ने के लिए किताबें स्टेशनरी उनके लिए वस्त्र खिलौने आदि का भी प्रबंध किया इस स्कूटर स्कूल एजुकेशन एक्सप्रेस के द्वारा बच्चों को पढ़ने के साथ ही बच्चों के लिए मूलभूत संसाधन उनके लिए बेहतर न्यूट्रिशन स्टेशनरी कपड़े खिलौने आदि का प्रबंध एवं कलेक्शन भी एजुकेशन एक्सप्रेस के द्वारा भोपाल के विभिन्न पॉश कॉलोनी में जाकर वहां के नागरिकों से बच्चों की मदद का आवाहन स्कूटर में लगे माइक के सेट के द्वारा किया जा रहा है इस एजुकेशन एक्सप्रेस को भोपाल के नमी प्रतिष्ठित लोगों के साथ शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाली सामाजिक संस्थाओं को भी भरपूर सहयोग मिल रहा है

गुरद्वारा लंगर में शामिल हुए सभी धर्मगुरु

मध्यप्रदेश सर्वधर्म सद्भावना मंच ने दिया आपसी एकता भाईचारे का संदेश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

श्री दशमेश दरबार साहिब गुरद्वारा आनंद नगर मे हेड ग्रंथी ज्ञानी गुरूवेन्द्र सिंह जी की पारिवारिक खुशी के मौके लंगर एवं कीर्तन का आयोजन किया गया इस मौके पर आपसी एकता भाईचारे का संदेश देते हुए सर्वधर्म सद्भावना मंच के सभी पदाधिकारियों सभी धर्मों के धर्मगुरुओं ने गुरद्वारा लंगर में भाग लेकर आपसी एकता भाई चारे का संदेश दिया एवं गुरद्वारे की सेवाओं के बारे में भी ज्ञानी गुरूवेन्द्र सिंह जी को बधाई दी। इस मौके पर विशेष रूप से बोद्ध धर्म गुरु शाक्य पुत्र भंते सागर थेरो, जमीअत उलमा मध्यप्रदेश के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद हारून साहब, ईसाई धर्म गुरु डॉक्टर फादर आनंद मुदुगल, पंडित अनिल महाराज, पंडित महेंद्र शर्मा, हाजी मोहम्मद इमरान सचिव मध्यप्रदेश सर्व धर्म सद्भावना मंच, गुरद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र पाल सिंह , राफे अली,पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, मध्यप्रदेश सर्वधर्म सद्भावना मंच के उपाध्यक्ष गुरुचरण सिंह अरोड़ा, ज्ञानी दिलीप सिंह, मोहम्मद हनीफ़ एवं गुरद्वारा समिति के पदाधिकारियों आदि सर्व धर्म के अनुयायी एवं सिख धर्म के अनुयायी माता बहनों ने भाग लिया कार्यक्रम में सभी धर्मों के धर्मगुरुओं ने कार्यक्रम को संबोधित किया और आपसी एकता मानवता भाईचारे का संदेश दिया एवं लंगर में शामिल हुए।

60 करोड़ से अधिक की कर वसूली हुई

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा को प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में विशेष छूट शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विशेष छूट के तहत प्रॉपर्टी टैक्स, जलकर और स्वच्छ भारत कर से संबंधित मामले निपटाए गए और आपसी सहमति से कर वसूली की गई। प्रदेश स्तर पर आयोजित शिविर में समस्त नगर निगमों ने कुल लगभग 56 करोड़ की राशि एकत्र की, वहीं नगर पालिकाओं ने कुल 2.5 करोड़ से अधिक की राशि अर्जित की और समस्त नगर परिषदों में कुल 02 करोड रुपए की राशि एकत्र की गई। इस तरह कुल लगभग 60 करोड़ रुपए से अधिक की राशि एकत्र की गई। जिसमें सबसे अधिक इंदौर नगर निगम द्वारा 31 करोड रुपए, नगर निगम भोपाल द्वारा 11.50 करोड़ रुपए, जबलपुर नगर निगम द्वारा 04 करोड़ रुपए और ग्वालियर नगर निगम द्वारा 3.20 करोड़ रुपए कर वसूली की गई। उल्लेखनीय है कि आम नागरिकों ने उत्साह के साथ सहभागिता की और नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा आयोजित शिविर को सफल बनाया।

हिंदी भाषा, अनुवाद और प्रौद्योगिकी में कैरियर की अपार संभावनाएं: प्रो. सुरेश

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) के. जी. सुरेश ने हिंदी भाषा, अनुवाद और प्रौद्योगिकी में करियर बनाने के लिए सुनहरे अवसर की बात कही है। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा विश्व में सबसे ज्यादा बोली और पढ़ी जाने वाली भाषाओं में से एक है। विश्व के कई देशों के साथ ही देश के कई सरकारी और निजी संस्थानों में भी हिंदी भाषा, अनुवाद और प्रौद्योगिकी की बहुत मांग है। प्रो. सुरेश ने बताया कि इन्हीं आवश्यकताओं को देखते हुए विश्वविद्यालय में भारतीय भाषा विभाग की स्थापना की गई है। यह विभाग विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में सुनहरा भविष्य बनाने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा की स्वीकार्यता को बढ़ाने के लिए इसका रोजगारपरक होना अति आवश्यक है, और इसी दृष्टि से यह विशेष पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया गया है। जल्द ही भारतीय भाषा विभाग के अंतर्गत एक भाषा प्रयोगशाला भी स्थापित की जाएगी। भारतीय भाषा विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. राखी तिवारी ने कहा कि प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और वेब मीडिया के साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी हिंदी का प्रयोग लगातार बढ़ता और लोकप्रिय होता जा रहा है। माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी दिग्गज कंपनियाँ प्रौद्योगिकी के माध्यम से हिंदी भाषा का उपयोग कर अपनी पहुंच बढ़ा रही हैं। ऐसी स्थिति में हिंदी भाषा, अनुवाद और प्रौद्योगिकी के प्रयोग में निपुणता और कुशलता हासिल करने वाले युवाओं को करियर के असीम अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल रीवा में कई कार्यक्रमों में शामिल हुए

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में जिले में गौशाला निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि जिले में संचालित सभी निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करायें तथा जो कार्य शुरू नहीं हुए हैं उन्हें तत्काल प्रारंभ करायें। उप मुख्यमंत्री ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में शेष निर्माण कार्यों को अगस्त माह के अंत तक पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी का बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में आगामी दिनों में कार्यक्रम प्रस्तावित है अतः सभी निर्माण कार्य नियत समय सीमा में पूर्ण हो जाय। श्री शुक्ल ने जिले के अन्य सभी विधानसभा क्षेत्रों में भी गौवंश वन्य विहार निर्माण के कार्य तत्काल प्रारंभ कराने के निर्देश बैठक में दिये। इस अवसर पर विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, रीवा संभाग के कमिश्नर बी.एस. जामोद, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. सौरभ सोनवणे उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा नगर निगम के सभी पार्षदों से अपेक्षा की है कि वह अपने वार्ड में सघन पौध-रोपण कर शहर को हरा-भरा बनाने में सहभागी बने। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड के हरा-भरा हो जाने से ही रीवा शहर हरीतिमायुक्त होगा। सड़कों के किनारे, खाली जगहों, पार्कों तथा अपने घर के आसपास लोगों को पौधारोपण करने के लिए प्रेरित करें तथा उनके संरक्षण की भी व्यवस्था सुनिश्चित करायें। जयंती कुंज में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री ने पार्षदों से कहा कि उनके वार्ड में स्वीकृत कार्यों को तत्काल प्रारंभ करायें तथा उसकी गुणवत्ता पर नजर रखें। उन्होंने आश्वस्त किया की वार्डों में आवश्यक कार्यों के लिए अतिरिक्त धन राशि की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जायेगी। उन्होंने वार्ड पार्षदों से कहा कि अतिआवश्यक कार्यों की सूची बनाकर दें ताकि उसके लिए पर्याप्त धन राशि की व्यवस्था हो सके।

सम्पादकीय

जनसंख्या वृद्धि अब चुनौती नहीं?

विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर भारत सरकार की ओर से जारी किए गए आंकड़े कई लिहाज से उत्साहवर्धक कहे जाएंगे कि देश के 36 में से 31 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों ने टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) को रिप्लेसमेंट लेवल 2.1 से नीचे लाने में कामयाबी हासिल कर ली है। टीएफआर का आशय किसी महिला द्वारा पूरे जीवन काल में जन्म दिए जाने वाले बच्चों की औसत संख्या से है और रिप्लेसमेंट लेवल वह स्तर है जिस पर किसी खास समाज या क्षेत्र की आबादी संतुलित रहती है। यानी किसी देश में टीएफआर के रिप्लेसमेंट लेवल पर पहुंचने का मतलब यह माना जाता है कि अब जनसंख्या में बढ़ोतरी को चुनौती के रूप में लेने की जरूरत नहीं है।

भारत के संदर्भ में, यह देखना दिलचस्प है कि जनसंख्या वृद्धि को एक चुनौती के रूप में लेते हुए कैसे हम धीरे-धीरे उस स्थिति में आ गए जहां हमारे लिए चुनौती जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश लगाने की उतनी नहीं, जितनी डेमोग्राफिक डिविडेंड का सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल करने की है। खास बात यह कि हम एक लोकतांत्रिक समाज के तौर पर अपने रास्ते चलते हुए यहां पहुंचे हैं। हमें चीन के उन बाध्यकारी तरीकों की ओर जाने की जरूरत नहीं पड़ी जो एक समय काफी आकर्षक माने जाते थे, पर आखिरकार बड़े हानिकारक साबित हुए।

हर साल की तरह इस बार भी विश्व जनसंख्या दिवस पर संयुक्त राष्ट्र की ओर से भी बाकायदा आंकड़े जारी कर बताया गया है कि आने वाले दशकों में भारत की आबादी का अन्य देशों के मुकाबले अनुपात क्या रहेगा। इन गणनाओं की अहमियत से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन इनकी प्रामाणिकता असंदिग्ध इसलिए भी नहीं मानी जा सकती क्योंकि भारत में जनगणना के वास्तविक आंकड़े करीब डेढ़ दशक पुराने हैं। 2011 के बाद 2021 में जनगणना होनी थी जो अभी तक नहीं हुई है।

टीएफआर के इन आंकड़ों की खासियत यह भी है कि इसमें कोई चौंकाने वाला ट्रेंड नहीं बल्कि एक तरह की निरंतरता दिखती है। 1950 में टीएफआर का जो आंकड़ा 6.18 पर था, वह 1990 में 4.6 पर आया और 2021 में 1.91 पर आ गया। ये आंकड़े न केवल एक राष्ट्र के रूप में हमारी हाल के दशकों में हुई ग्रोथ की पुष्टि करते हैं बल्कि परिवार और समाज में महिलाओं की बेहतर स्थिति भी बयान करते हैं।

बहरहाल, टीएफआर कम होने का मतलब यह नहीं कि देश की आबादी में बढ़ोतरी नहीं होगी। यह अगले कई दशकों तक बढ़ती रहेगी। इस लिहाज से सरकार की मुख्य चुनौती शिक्षा और स्वास्थ्य की बेहतरीन सेवाओं तक हर व्यक्ति की पहुंच सुनिश्चित करने की है ताकि देश को अपनी आबादी के युवा स्वरूप का अधिकाधिक फायदा मिल सके।

कैलाश विजयवर्गीय: गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के पीछे जिद और जुनून

सुरेश तिवारी

यह बात सुनने में पहले ही आश्चर्यजनक लगे, लेकिन फिर भी विश्वास करना पड़ेगा कि सिर्फ एक आदमी की जिद ने इंदौर में एक अनोखा विश्व रिकॉर्ड बना दिया। यह रिकॉर्ड बनाने का बीड़ा उठाया प्रदेश के नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने। उन्होंने एक दिन यानी करीब 12 घंटे में 11 लाख पौधे रोपने का विचार बनाया और उसे कार्यरूप में परिणित करने के लिए पूरी योजना तैयार की। उनकी इस पहल और योजना में इंदौर का जिला प्रशासन, भारतीय जनता पार्टी, सभी जन प्रतिनिधि, इंदौर के सामाजिक संगठन और आम जनता शामिल हुई। जब शाम को सूचना मिली कि लक्ष्य 11 लाख से कहीं ज्यादा पौधों का रोपण हो गया तो कैलाश विजयवर्गीय 'ये देश है वीर जवानों का की धुन पर' झूम गए और नाचने लगे। उत्साह और उमंग वाली ये खुशी स्वाभाविक है।

इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह और नगर निगम कमिश्नर शुभम वर्मा ने भी जमीन पर बैठकर पौधों को रोपने के लिए गड्ढे खोदने का श्रमदान किया। कैलाश विजयवर्गीय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पौधा मां के नाम' अभियान में इंदौर के प्रत्येक नागरिक को भावनात्मक रूप से जोड़ा। हर व्यक्ति को यहां पौधा रोपने के लिए प्रेरित किया। अभियान के इस नाम को भी इस कार्य की सफलता का एक कारण माना जा सकता है।

इस अभियान की सफलता के अभियान को राजनीति से प्रेरित नहीं माना जाए, इसलिए कैलाश विजयवर्गीय कांग्रेस कार्यालय भी गए और वहां कांग्रेस को भी अभियान से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया। अच्छी बात यह रही कि कांग्रेस ने भी उनके आमंत्रण को स्वीकार किया और यह माना कि पर्यावरण जैसे जनहित के काम में कोई राजनीति आड़े नहीं आना चाहिए।

इस अभियान को बृहद रूप देने के लिए विजयवर्गीय ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को भी विशेष तौर पर आमंत्रित किया। खास बात यह भी रही कि पौधारोपण करने आने वालों के लिए सारी व्यवस्थाएं भी की गई। सुबह चाय से लेकर नाश्ते और भोजन तक का वहां इंतजाम किया गया जो पूरी तरह सफलता से संचालित हुआ।

यह सुनने में भले ही अच्छा लगे, लेकिन इस काम को सफलता से कर लेना बेहद दुष्कर था। बहुत बड़ी चुनौती इसलिए भी थी, कि मौसम विपरीत था। एक रात पहले इंदौर में साढ़े 3 घंटे की भारी बरसात से कई तैयारियां को प्रभावित कर दिया था। फिर भी सारा अभियान सफलता से पूरा हुआ।

इस अभियान की सफलता का आशय सिर्फ 11 लाख पौधों के रोपण तक सीमित नहीं है। एक निर्धारित समय में इंदौर में 51 लाख पौधे रोपने का लक्ष्य बनाया गया है, जिसकी शुरुआत रविवार से तीन दिन पहले ही हो चुकी थी। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला,मुख्यमंत्री मोहन यादव, केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मप्र भाजपा प्रभारी महेंद्र सिंह और कई नेता इंदौर आए और उन्होंने इस अभियान में अपनी सहभागिता निभाई। सिंधिया ने तो यह भी कहा कि वे प्रधानमंत्री का काम छोड़कर सिर्फ इस अभियान के लिए इंदौर आए हैं। फिल्म अभिनेता सुनील शेट्टी भी इससे जुड़े और पौधा लगाया।

इंदौर में 51 लाख वृक्षारोपण और 11 लाख वृक्षारोपण के वर्ल्ड रिकॉर्ड की कल्पना 27 मई को की गई थी। यह विश्व में जनभागीदारी का सबसे बड़ा और अनूठा कार्यक्रम है। आने वाले समय में यह इंदौर शहर का बड़ा पिकनिक स्पॉट बनकर सामने आएगा। उज्जैन रोड के किनारे रेवती रेंज में मधुकामिनी के 9 लाख पौधों का रोपण किया गया है। इससे ये पहाड़ी और आसपास का वातावरण हमेशा उसके फूलों की खुशबू से सुगंधित बना रहेगा।

यह भी एक अविश्वसनीय बात है कि इस अभियान के लिए 20 करोड़ के पौधे दान में मिले है। यहां विभिन्न प्रजातियों के पौधों के रोपण से एक बेहतर इकोसिस्टम तैयार होगा। साथ ही पक्षियों की चहचहाहट यहां पर पिकनिक मनाने वालों को आनंदित करेगी।

विजयवर्गीय के मुताबिक, 51 लाख वृक्षारोपण का संकल्प लेने के बाद हमने पौधों को इकट्ठा करने की योजना बनाई। 20 करोड़ की लागत के पेड़ हमें दान में मिले हैं। 300 ट्रकों में भरकर पेड़ वृक्षारोपण स्थल तक लाए गए। यहां सारी तैयारी भी गिनीज बुक के तयशुदा मापदंडों के तहत की गई। लोगों की सहायता के लिए बड़ी संख्या में स्वयं सेवकों की टीम तैनात रही। रेवती रेंज में वृक्षारोपण स्थल पर 100 कैमरे लगाए गए हैं। इनकी मदद से पौधों की निगरानी की जाएगी।

तैयारी में सिर्फ 46 दिन की मेहनत

46 दिनों की मेहनत और समर्पित लोगों की टीम की वजह से विश्व का सबसे बड़ा जनभागीदारी के अनूठे आयोजन का एक भाग पूरा हुआ। भले ही यह यह अभियान 'वन मैन शो' हो लेकिन इसमें उन्होंने सभी को जोड़ने में कोई कोताही नहीं बरती। जिस दिन से यह अभियान शुरू हुआ, तब से अब तक शहर और उसके आसपास के इलाकों में 23 से 24 लाख पेड़ लग चुके हैं। जिस रफ्तार और उत्साह से वृक्षारोपण हो रहा है, विजयवर्गीय को विश्वास है कि आंकड़ा 51 लाख के पार निकल जाएगा। रेवती रेंज पर एक नर्सरी भी बनाई जाएगी, जिसमें एक लाख से ज्यादा पेड़ होंगे। यदि कोई पेड़ खराब हो जाता है या सूख जाता है तो उसकी जगह पर नया पौधा लगाया जाएगा। कोई भी व्यक्ति यदि किसी पौधे को खराब देखे तो वह भी लगा सकता है।

इंदौर ने फिर गौरव से भर दिया है

कौशल किशोर चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत इंदौर ने विश्व रिकॉर्ड बनाकर हर प्रदेशवासी को गौरवान्वित किया है। बढ़ते तापमान से बिगड़ते हालातों को नियंत्रित करने का अब एक ही विकल्प बचा है और वह है अधिक से अधिक पौधारोपण और 'स्वच्छ दुनिया और हरी-भरी दुनिया'। और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए जरूरी है कि दुनिया के सभी देश स्वच्छ और हरे-भरे हों और यह तभी संभव है, जब देश का हर शहर 'स्वच्छ और हरा-भरा' हो। और इसी कड़ी में मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी और दुनिया में चर्चित देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर ने एक दिन में सर्वाधिक पौधारोपण का रिकॉर्ड बनाकर हर नागरिक का सीना 56 इंच का कर दिया है। शाम करीब पांच बजे 12 लाख 42 हजार पौधे के साथ पौधारोपण का विश्व रिकॉर्ड इंदौर के नाम हो गया। इससे पहले एक दिन में सबसे ज्यादा पौधे लगाने का रिकॉर्ड असम सरकार के नाम पर था।

वहां एक दिन में 9 लाख 26 हजार पौधे लगाए गए थे। वास्तव में पौधारोपण का विश्व रिकॉर्ड मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को समर्पित है।इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने भी मां के नाम पौधरोपण किया। इंदौर के रेवती रेंज में 11 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया था, जिसको पार कर इंदौरवासियों ने जता दिया कि जज्बे में उनके सामने सब बौने हैं। रिकॉर्ड बनते ही इंदौरवासी खूब नाचे, झूमे, इनमें मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और मेयर पुष्यमित्र भार्गव भी शामिल थे। वास्तव में 14 जुलाई 2024 का यह दिन हर मध्यप्रदेशवासी के नाचने और झूमने का दिन था। पर अब वास्तव में इंदौर ने यह चुनौती प्रदेश के सभी शहरों को दी है कि कम से कम स्वच्छता में उसकी बराबरी नहीं कर पा रहे हो, तो पौधारोपण में करके ही दिखा दो। और यह ऐसी चुनौती है कि इसे स्वीकार भी किया जा सकता है और हर शहर इंदौर और एक-दूसरे को पीछे छोड़ने की होड़ भी कर सकता है।

मंत्री अमित शाह ने तारीफ की और सही ही कहा है कि इंदौर सफाई, स्वाद, सहभागिता के लिए जाना जाता है। अब इंदौर हरियाली के नाम से भी जाना जाएगा। इंदौर स्मार्ट, मेट्रो सिटी बन चुका है। अब ग्रीन सिटी के नाम से जाना जाएगा। शाह ने कहा कि ये अभियान सरकारी समारोह नहीं है। समाज इस अभियान से जुड़े हैं। प्रधानमंत्री मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' के नारे को देशवासियों से जन आंदोलन बना दिया।पर्यावरण की चिंता विश्व को है। ओजोन लेयर में बड़े-बड़े छेद हो गए हैं। मध्य प्रदेश देश का फेफड़ा है।यह देश को आक्सीजन देता है। इस प्रदेश में 30 परसेंट वन क्षेत्र है। पूरे देश का 12 परसेंट ग्रीन कवरेज इस प्रदेश में है। तो शाह मध्यप्रदेश के मुरीद इसलिए भी हैं, क्योंकि इस प्रदेश की जनता ने सभी 29 सीटें मोदी की झोली में डाली हैं। इसलिए भी चुनाव के बाद पहली बार मध्यप्रदेश आकर शाह के चेहरे पर शाही खुशी नजर आई। तो मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उम्मीद जताई कि 'मालव माटी गहन गंभीर, पग पग रोटी डग डग नीर' कहावत को चरितार्थ करने इंदौर ने मालवा का पुराना स्वरूप लौटने की ठानी है। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विश्वास दिलाया ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को पूरा कर इंदौर ग्रीन सिटी के रूप में उभरेगा। हम साल में 51 लाख पेड़ इंदौर में लगाएंगे।इंदौर ग्रीन कवरेज में 17 वें नम्बर पर है। पांच साल में हम पहले नंबर पर होंगे।

वैसे कैलाश विजयवर्गीय की यह भावनाएं हर नेता के मन को प्रेरणा से भरनी चाहिए। और हर शहर और हर जिले को इंदौर से होड़ करनी चाहिए। हर शहर-जिले के नागरिकों को बढ़-चढ़कर पौधारोपण में सहभागिता करनी चाहिए। ताकि मां के नाम का एक-एक पेड़ देश को हरियाली में दुनिया का सबसे अव्वल बनाकर 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना को चरितार्थ कर दे। वहीं भारत जल्दी 'विश्व गुरू' बनेगा, यह दुनिया को जता दे इंदौर ने फिर गौरव से भर दिया है, अब बाकी सबकी बारी है।

विश्व युवा कौशल दिवस

हर साल 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस मनाया जाता है. यह दिन विभिन्न कौशल प्राप्त करने के लिए युवाओं को जागरूक करने के लिए मनाया जाता है. साथ ही ये दिन युवाओं की उपलब्धियों को पहचानने और जश्न मनाने व बेरोजगारी, गरीबी और सामाजिक असमानता जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में कौशल विकास के महत्व को बढ़ावा देने के अवसर के रूप में काम करता है।

विश्व युवा कौशल दिवस का इतिहास

2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा युवाओं को रोजगार, उद्यमिता और सतत विकास के लिए कौशल से लैस करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 15 जुलाई को मनाने की घोषणा की.

विश्व युवा कौशल दिवस का उद्देश्य

विश्व युवा कौशल दिवस युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर देता है, जिससे वे उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल विकसित कर सकें. इसका उद्देश्य युवा कौशल विकास का समर्थन करने वाली प्रभावी नीतियों और पहलों को बढ़ावा देने के लिए सरकारी संस्थानों, शैक्षणिक संस्थानों, नियोक्ताओं और युवा संगठनों के बीच संवाद और साझेदारी को प्रोत्साहित करना भी है.

विश्व युवा कौशल दिवस का महत्व

विश्व युवा कौशल दिवस पर विशेष आयोजनों, कार्यशालाओं और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है. इन कार्यक्रमों में युवाओं को अपने कौशलों को विकसित करने के लिए मार्गदर्शन और प्रेरणा दिया जाता है. इस दिन पर विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठन भी कौशल विकास कार्यक्रमों की शुरुआत करते हैं और युवाओं को योग्यता प्राप्त करने के लिए विभिन्न अवसर प्रदान करते हैं. यह दिवस युवाओं को योग्य रोजगार के लिए तैयार करने और उन्हें उच्चतर प्रशिक्षण योग्यता प्रदान करने का भी अवसर प्रदान करता है.

विश्व युवा कौशल दिवस 2024 की थीम

हर साल की तरह ही विश्व युवा कौशल दिवस के लिए इस बार भी एक थीम निर्धारित किया गया है. विश्व युवा कौशल दिवस 2024 का थीम है शांति और विकास के लिए युवा कौशल। यह शांति स्थापना और संघर्ष समाधान प्रयासों में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। आज दुनिया कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें से कई युवा वर्ग को प्रभावित करती हैं। (साभार)

राजेश नारायण श्रीवास्तव (एड.)

बुलेट नहीं, बैलट

अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर शनिवार को एक चुनावी रैली के दौरान हुआ जानलेवा हमला हर लिहाज से दुर्भाग्यपूर्ण कहा जाएगा। गनीमत है कि हमले में ट्रंप को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ और वह सुरक्षित हैं। हालांकि उन पर हुए इस हमले ने पहले से ही दो ध्रुवों में बंटे अमेरिकी जनमत को बुरी तरह आलोड़ित कर दिया है।

हमलों का इतिहासः अमेरिका में राष्ट्रपतियों पर इस तरह का हमला कोई नई बात नहीं है। वहां ऐसे हमलों का लंबा इतिहास रहा है। चार राष्ट्रपति और एक राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी ऐसे हमलों में जान तक गंवा चुके हैं। पिछले चार-पांच दशकों की बात करें तो रोनाल्ड रीगन, बिल क्लिंटन और जॉर्ज डब्ल्यू बुश जैसे चर्चित राष्ट्रपति हमलों का निशाना बन चुके हैं।

दो धड़ों में बंटा जनमतः फिर भी ट्रंप पर हुए इस हमले की अतीत की घटनाओं से तुलना नहीं की जा सकती। ट्रंप न सिर्फ अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति हैं बल्कि आगामी चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से इस पद के प्रत्याशी भी हैं। अब तक के तमाम सर्वे उन्हें लोकप्रियता में सबसे आगे बता रहे हैं। यही नहीं, ट्रंप राजनीति और शासन की अपनी विशिष्ट शैली के लिए जाने जाते रहे हैं। अमेरिकी इतिहास में यह पहला मौका है जब कोई पूर्व राष्ट्रपति चुनाव परिणामों को पलटने के लिए दंगे भड़काने जैसे आरोपों का सामना कर रहा है या चुनाव नतीजों को स्वीकार करने से लगातार इनकार करता रहा है। इसके बावजूद लोकप्रियता में सबसे आगे नजर आ रहा है।

कड़वाहट बढ़ने का खतराः ऐसे में ट्रंप पर हमले की इस घटना की गंभीरता बहुत बढ़ जाती है। इसका अमेरिका के आम लोगों की सोच पर, वहां की राजनीति और चुनावों पर किस तरह का प्रभाव पड़ता है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। हालांकि ट्रंप समर्थकों का एक धड़ा इसके लिए उनके राजनीतिक विरोधियों की आक्रामक प्रचार शैली को अभी से जिम्मेदार ठहराने लगा है। देखना होगा कि यह सिलसिला चुनावों में वोटरों की सहानुभूति हासिल करने की कोशिशों तक सीमित रहता है या राजनीति में और ज्यादा कड़वाहट घोलता है।

व्यापक प्रभाव : सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चाहे अमेरिका के घरेलू राजनीतिक माहौल की बात हो या चुनाव परिणामों की, उनका असर अमेरिका तक सीमित नहीं रहता। पूरा विश्व उसके दायरे में आता है। ऐसे में जरूरी है कि जांच एजेंसियां इस घटना के असली कारणों तक जल्द से जल्द पहुंचें। हालांकि हमलावर के मारे जाने की वजह से यह काम थोड़ा और मुश्किल हो गया है। फिर भी उम्मीद है कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी और साजिशों के तार खुलेंगे, वैसे-वैसे बहस भी समाज को हिंसक बनाने वाले और गन कल्चर को बढ़ाने वाले कारकों पर केंद्रित होगी। याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र में बुलेट नहीं, बैलट ही सबसे कारगर हथियार होता है।

गुजारा भत्ताः पुराने कानून, नए तेवर

मुस्लिम महिलाओं के गुजारा भत्ते से जुड़े एक मामले में बुधवार को आया सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला न सिर्फ इस जटिल मुद्दे पर प्रगतिशीलता की रोशनी डालता है बल्कि समाज में बराबरी की हैसियत के लिए जूझतीं महिलाओं को ताकत देता है। शीर्ष अदालत ने इस फैसले के जरिए बताया है कि सही ढंग से व्याख्या करके पुराने कानूनों को भी नया तेवर दिया जा सकता है।

मामला मूलतः मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने के सवाल से जुड़ा था जो देश में मजहब, कानून और राजनीति से जुड़ा एक जटिल मसला रहा है। अस्सी के दशक में चर्चित हुआ शाहबानो मामला आज भी इन तीनों हलकों की चर्चा में उठता रहता है। उस मामले में सुप्रीम कोर्ट के प्रगतिशील कदम को संसद से नया कानून बनवाकर पलटने की कोशिश तत्कालीन सरकार ने की थी। लेकिन उस समय से अब तक न सिर्फ राजनीति बल्कि समाज का स्वरूप भी काफी बदल चुका है।

अब न तो राजनीति उस तरह के आग्रहों से संचालित होती दिखती है और न समाज। खासकर समाज की महिलाएं उन्हें बर्दाश्त करने की स्थिति में हैं, जिनके दबाव में राजीव गांधी सरकार ने शाहबानो केस के फैसले को पलटने का निर्णय किया था। इसकी तसदीक इस बात से भी होती है कि सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले को भी जहां राजनीति की एक धारा राजीव सरकार के उस फैसले से जोड़कर देख रही है, वहीं दूसरी धारा इससे असहज महसूस कर रही है।

यह बात भी दुरुस्त है कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को मुस्लिम महिलाओं तक सीमित मानना इसकी संभावनाओं को कम करके देखना होगा। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट व्यवस्था यह दी है कि चाहे महिला किसी भी धर्म-संप्रदाय की हो, उसकी शादी और तलाक की विधि चाहे जो भी रही है, वह सीआरपीसी की धारा 125 के प्रावधानों के तहत गुजारा भत्ता देने की मांग कर सकती है। देश का कोई भी अन्य कानून उसे इससे नहीं रोकता।

स्पष्ट रूप से यह महिला सशक्तीकरण की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के जरिए महिलाओं को अहसास कराया है कि चाहे शादी में रहते हुए खुद को सशक्त महसूस करने की बात हो या परिवार के दायरे से निकलने के बाद अपना हक सुनिश्चित करने की, देश के कानून की शक्ति उनके साथ है। ऐसा मानने का आधार यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के जरिए न्याय व्यवस्था को यह संदेश भी दिया है कि कानून को लागू करते हुए और इसकी व्याख्या करते हुए स्त्री-पुरुष समानता और कमजोर तबकों के हितों की सुरक्षा जैसे मूल्यों को ध्यान में रखने की जरूरत है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

रोजगारोन्मुखी शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति की समावेशी शिक्षा मिलेगी : शुक्ल

भोपाल । केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के सभी 55 जिलों में संचालित होने वाले प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का वर्चुअली शुभारंभ अवसर पर उप-मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल रीवा से शामिल हुए। रीवा जिले के शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय एवं मऊगंज जिले के शासकीय शहीद केदारनाथ महाविद्यालय का प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस के रूप में शुभारंभ हुआ।

शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय में शुभारंभ अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश के उच्च शिक्षा के इतिहास में आज का दिन ऐतिहासिक बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस में आधुनिक व रोजगारोंन्मुखी शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति की समावेशी शिक्षा विद्यार्थियों को दी जायेगी। आत्मनिर्भर भविष्य की ओर मूल्य आधारित शिक्षा से प्रदेश के युवा कौशलवान बनकर अपना बेहतर कल गढ़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस में आईआईटी के सहयोग से कोर्स संचालित होंगे तथा अन्य सभी शैक्षणिक संसाधन भी उपलब्ध होंगे जिसका लाभ युवा पीढ़ी को मिलेगा। श्री शुक्ल ने कहा कि संस्कारवान शिक्षा ही आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त

करती है। संस्कारित होने से संवेदनशीलता व विनम्रता आती है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप उत्कृष्ट व गुणवत्तापूर्ण रोजगारोंन्मुखी शिक्षा से युवाओं को रोजगार देने वाले संस्थान स्वयं ही महाविद्यालय में आकर रोजगार देंगे।

श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकल्प से देश व प्रदेश में मजबूत अधोसंरचना निर्माण का कार्य किया जा रहा है। अधोसंरचना का विकास नई पीढ़ी के लिए सौगात है। नई शिक्षा नीति युवाओं के लिए उन्नति के सभी मार्ग खोलने का सशक्त माध्यम बनेगी। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सर्वप्रथम मध्यप्रदेश में ही नई शिक्षा नीति लागू की गयी थी। श्री शुक्ल ने युवा पीढ़ी से नशे से दूर रहने का आह्वान किया।

इस अवसर पर सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि आदर्श विज्ञान महाविद्यालय में इससे पूर्व विज्ञान संकाय की शिक्षा दी जाती थी अब प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस हो जाने से यहां आर्ट व वाणिज्य संकाय में शिक्षा प्राप्त कर विद्यार्थी इस कालेज का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आम का पौधा रोपित किया गया

औबेदुल्लागंज ।-केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा आज रायसेन जिले के ग्राम रतनपुर में ''एक पेड़ मॉ के नाम'' अभियान अंतर्गत आम का पौधा रोपित किया गया। इस अवसर पर सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, पूर्व केबीनेट मंत्री रामपाल सिंह, कलेक्टर अरविंद दुबे, एसपी विकास शहवाल तथा डीएफओ विजय कुमार, जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे

पर्यटन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के नेतृत्व में मुख्यमंत्री कन्यादान सामूहिक विवाह सम्मेलन तेन्दूखेड़ा मे संपन्न

दमोह संसदीय क्षेत्र की जबेरा विधानसभा अंतर्गत जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा में मध्यप्रदेश शासन के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व जबेरा विधायक धर्मेन्द्र सिंह लोधी के नेतृत्व में कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह सम्मेलन में 1971 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। जिसमें सम्मिलित होकर नवविवाहित वर-वधु को सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, पार्टी के देवतुल्य ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री पटेल ने सड़क दुर्घटना में 2 घायलों को भेजा अस्पताल

दमोह ञ्प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल अपने भ्रमण से वापिस लोट रहे थे, कि ग्राम भटेरा बकायन के पास सड़क दुर्घटना में घायल दो लोगों को अपने फॉलो वाहन के द्वारा वहां से अस्पताल के लिए रवाना किया । उन्होंने बताया कि दोनों को दुर्घटना में चोट के कारण काफी ब्लीडिंग हो रही थी । श्री पटेल ने न केवल उन्हें अपने फॉलो वाहन से अस्पताल भेजा या बल्कि मोबाइल पर डॉक्टर को भी उपचार के संबंध में चर्चा की और समुचित उपचार के संबंध मे निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने आज रीवा प्रवास के दौरान गुढ़ स्थित भैरव बाबा मंदिर के निर्माणाधीन नवीन भवन की कार्य प्रगति का निरीक्षण किया द्य उन्होंने त्वरित गति से कार्य को अंतिम रूप देकर पूर्ण करने के लिए व्यवस्थापकों और अधिकारियों को निर्देशित भी किया।

श्री राम सीनियर सिटीजन ग्रुप के राम नाम मंडल ने किया 22वें वर्ष में प्रवेश

छतरपुर। युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन चुका शहर का श्री राम सीनियर सिटीजन ग्रुप राम नाम मंडल ने विगत 13 जुलाई को 22 में वर्ष में प्रवेश कर लिया है। इस अवसर पर रविवार मरई माता मंदिर पर एक पार्टी का आयोजन किया गया इसी के साथ मंडल की नवीन कार्यकारिणी का आंशिक फेर बदल के साथ निर्णायक द्वय समाजसेवी श्री राधेलाल जी असाटी एवं श्री हरि प्रकाश की अग्रवाल की उपस्थिति में गठन किया गया ।नवीन कार्यकारिणी के गठन पर मंडल की उपस्थिति में सदस्यों द्वारा माला पहनकर एवं ताली बजाकर स्वागत किया गया।नवीन कार्यकारिणी में जहां श्री एस. एल. माली को पुनः अध्यक्ष घोषित किया गया है वहीं संरक्षक मंडल में श्री आर एस पुरोहित, श्री राधेलाल असाटी एवं इंजीनियर श्री दिलीप अग्रवाल सम्मिलित किए गए हैं। मंडल के मार्गदर्शक मंडल में समाजसेवी एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री हरि प्रकाश अग्रवाल ,श्री अंबिका प्रसाद शर्मा डॉ .श्री महेंद्र कुमार खरे, श्री रविंद्र सिंह (योग मंडल)का योगदान सुनिश्चित किया गया है।उपाध्यक्ष का दायित्व जहां श्री जे.पी. भट्ट को सौंपा गया है वहीं सचिव के रूप में श्री राम कुमार मिश्रा को जिम्मेदारी दी गई है। मंडल के कोषाध्यक्ष के रूप में श्री ए.आर. चौबे को दायित्व दिया गया है।

मदद फाउंडेशन ने किल्लाई नाका पर पौधे लगा कर दिया हरियाली का संदेश

दमोह को हरा-भरा बनाने के लिए मदद फाउंडेशन ने चलाया पौधारोपण अभियान मिशन ग्रीन दमोह के निर्देशक *सिद्धार्थ मलैया* से प्रेरित होकर स्टेट बैक के सामने डिवाइडर पर पौधे लगाकर उनके देखभाल का संकल्प राजू प्रिंस द्वारा लिया गया।

मदद फाउंडेशन के अध्यक्ष आशीष शर्मा ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। इनसे पृथ्वी पर ऋतु चक्र बनता है। ऋतु चक्र को संतुलित बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण बहुत जरूरी है। पर्यावरण को बचाने के लिए हर नागरिक को अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाकर उनका संरक्षण करना चाहिए ताकि पृथ्वी पर प्राकृतिक संतुलन बना रहे। समय रहते प्रकृति को नहीं बचाया गया तो आने वाले दिनों में जल एवं वायु संकट से जूझना पड़ेगा। प्राकृतिक आपदाओं को कम करने के लिए भी वृक्षारोपण बहुत महत्वपूर्ण है। पर्यावरण को स्वस्थ्य और सुंदर बनाए रखने के लिए सभी का सामूहिक प्रयास आवश्यक है। साथ ही अपने द्वारा लगाए गए पौधे की देखरेख अवश्य करें। पर्यावरण प्रेमी मयंक वाधवा ने बताया कि पिछले एक महीने से लगातार शहर के विभिन्न स्थानो पर टीम मिशन ग्रीन दमोह के सहयोग से पौधारोपण किया जा रहा है। बारिश का मौसम शुरू होने पर मिशन ग्रीन दमोह के तहत पूरे शहर में विभिन्न स्थानो पर इस मानसून सीजन में 2000 से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस मौके पर कमल करोसिया,विपिन चौबे,पंकज सेन,राजू प्रिंस,रमाकांत मिश्रा,भरत व्यास,भूपेंद्र जैन,ओशो पंडित, लखखू सींग आदि ने श्रमदान कर सहभागिता निभाई।

विदिशा के विजय मंदिर को टूरिस्ट स्पॉट बनाएगी मोहन यादव सरकार, इसी मंदिर की तर्ज पर बना है नया संसद भवन

विदिशा। नए संसद भवन का निर्माण मध्य प्रदेश के ही विजय मंदिर से मिलता- जुलता है। विजय मंदिर को कई बार तोड़ा और लूटा गया है। मोहम्मद गौरी के गुलाम अलतमश से लेकर औरंगजेब जैसे क्रूर शासकों ने यहां हमला किया था।

मध्य प्रदेश के विदिशा का ऐतिहासिक विजय मंदिर एक बार फिर चर्चा में है। इस मंदिर को औरंगजेब ने 1682 में तोपों से तुड़वा दिया था। औरंगजेब ने यहां मस्जिद बनवा दी थी। तीन सौ से ज्यादा साल तक यहां मस्जिद ही रही। ये मंदिर अब एक बार फिर सुर्खियों में इसलिए है क्योंकि नई संसद भवन का डिजाइन विजय मंदिर की तरह है। अब यहां स्क्रका नया पर्यटन स्थल बनने वाला है।

बता दें, सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत बने नए संसद भवन की डिजाइन हूबहू विदिशा के विजय मंदिर से मिलती है। इस मंदिर को सूर्य मंदिर भी कहा जाता है। अब मोहन सरकार इसे टूरिस्ट स्पॉट के रूप में विकसित करेगी।

1992 में सामने आया था मंदिर: दरअसल मलबे और मिट्टी के टीले में दबा यह मंदिर 1992 में आई बाढ़ में सामने आया था। इस मंदिर का निर्माण चालुक्यवंशी राजा ने विदिशा विजय को चिरस्थाई बनाने के लिए यहां पर भेल्लिस्वामिन (सूर्य) का मंदिर बनवाया था। चालुक्यवंशी खुद को सूर्यवंशी मानते थे, इसलिए उन्होंने इस मंदिर का निर्माण करवाया था। 10वीं व 11वीं शताब्दी में परमार काल में परमार राजाओं ने इसका पुनर्निर्माण करवाया था।

कई बार मंदिर को तोड़ा गया: नए संसद भवन का निर्माण भी मध्य प्रदेश के ही विजय मंदिर से मिलता- जुलता है। विजय मंदिर पर कई बार तोड़ा और लूटा गया है। मोहम्मद गोरी के गुलाम अलतमश से लेकर औरंगजेब जैसे क्रूर शासकों ने यहां हमला किया था। लोगों ने इस मंदिर का कई बार निर्माण भी करवाया। बता दें, विजय मंदिर के पीछे चार मीनारे दिखाई देती हैं, जिसको मस्जिद का स्वरूप बनाई गई थीं।

चिकलोद रेंज के आशापुरी के जंगल में बाघ का शिकार, दांत व नाखून गायब

बाघ का कंकाल मिला, फॉरेंसिक टीम ने लिए नमूने

औबेदुल्लागंज संवाददाता (सुरेश केवट)- टाइगर स्टेट मध्य प्रदेश में एक और बाघ की मौत रायसेन जिले के औबेदुल्लागंज वनमंडल के अधिकारी बाघ के मरने की खबर को अफवाह बताकर दो दिनों से टला टोली कर रहे थे बाघ का सड़ा हुआ शव मिलने से विभाग में खलबली मची

वन मंडल औबेदुल्लागंज के अंतर्गत चिकलोद रेंज के आशापुरी बीट के कंपार्टमेंट नंबर 330 में 330 में बाघ के मरने की सूचना मिल रही थी लेकिन वन अमला इसे एक अफवाह बात कर मीडिया से इसकी दूरी बनाए रखी थी आपको बता दें आपको टाइगर स्टेट के मध्य प्रदेश में 23 बाघ की मौत हो चुकी है रायसेन जिले में 6 महीना में 23 बाघ की मौत हो चुकी है जिसमें सबसे ज्यादा 12 बाघ की मौत बाघवगण में हो चुकी है औबेदुल्लागंज वन मंडल टीम में दो दिनों से लगातार सर्चिंग की जा रही थी आज सीसीएफ राजेश खरे के पहुंचने के बाद मामले का खुलासा किया गया

इनका कहना है

बाघ का कंकाल मिला हैं जांच के लिए नमूने लिए गए हैं एस टीएसएफ की टीम को भी जांच में लगा दिया है अगर बाघ का शिकार हुआ है तो शिकारीयो को पकड़ा जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी कंकाल की जांच रिपोर्ट आने के बाद घटना की सही जानकारी सामने आ आएगी

राजेश कुमार खरे, सीसीएफ, भोपाल

बीपीएड संघ के सदस्यों ने दिया ज्ञापन

विदिशा। रविवार को विदिशा आए खेल एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग को बीपीएड संघ ने ज्ञापन दिया। ज्ञापन के माध्यम से बताया कि प्रदेश की उच्च शिक्षा को उत्कृष्ट और छात्रों को अच्छी शिक्षा हेतु प्रत्येक ज़िले में प्रधानमंत्री उत्कृष्टता संस्थान प्रारंभ किए गए हैं। इन संस्थानों का उद्देश्य छात्रों को कम लागत में अच्छी और रोज़गार देने वाली शिक्षा प्रदान करना है जो अत्यंत ही दूर दृष्टि और देशहित का उद्देश्य है। वर्तमान युग में स्वस्थ्य शरीर की अत्यधिक आवश्कता है। हमारे प्रधानमंत्री भी इस ओर विशेष ध्यान दे रहे हैं। विदित है कि प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिताएं, प्रधानमंत्री युवा खेल गतिविधि, प्रधानमंत्री यूनिवर्सिटी गेम्स आदि कई प्रतियोगिताएं प्रारंभ की है। प्रधानमंत्री ने शिक्षा में शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया है। जिससे स्कूली शिक्षा में शारीरिक शिक्षकों के रूप में रोज़गार बहुत बढ़ गए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा में भी शारीरिक शिक्षा एक विषय के रूप में प्रारंभ हो चुका है। वहीं बड़े शहरों का छात्र शारीरिक शिक्षा की बीपीएड और एमपीएड डिग्री कर लेता है यह डिग्रियां एनसीटीई के कार्य क्षेत्र में आती हैं। इस कारण से इनकी फ़ीस भी 70000 और 100000 होती है जो ग्रामीण क्षेत्र का छात्र नहीं दे पाता है। यूजीसी द्वारा शारीरिक शिक्षा में तीन वर्षीय स्नातक और 2 वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ किए हैं ताकि शारीरिक शिक्षा के ज़्यादा से ज़्यादा योग्य विद्वान मिल सके। यह पाठ्यक्रम अभी केवल 2-3 यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट और प्राइवेट कॉलेजों में ही हैं। जहां बहुत अधिक फ़ीस है इसलिए ग्रामीण क्षेत्र के लोग इन रोज़गार प्रदान करने वाले आयाम लोगों का स्वास्थ्य वर्धन करने वाले कोर्स को नहीं कर पाते। बीपीएड संघ मध्यप्रदेश ने मांग की है सभी पीएम एक्सीलेंस कॉलेजों में इसी सत्र से बीपीईएस और एमपीईएस प्रारंभ हो ताकि प्रधानमंत्री का स्वस्थ्य युवा स्वस्थ्य राष्ट्र का लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में प्रदेश सहयोग कर सके तथा ग्रामीण युवा यह कोर्स करके लोगो को स्वास्थ्य ठीक कैसे रखे यह ज्ञान देते हुए अपना और अपने परिवार का पालन पोषण कर सके। बीपीएड संघ प्रदेश संगठन मंत्री पंकज भार्गव ने कहा की अगर सारे पीएम एक्सीलेंस कॉलेज में यह पाठ्यक्रम खुल जाएं तो गांव की दूरदराज़ के लोग भी कोर्स करेंगे और रोज़गार मिलेगा।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के उद्घाटन में आभासी माध्यम से उपस्थित हुआ श्रीकृष्णा विश्वविद्यालय

छतरपुर। मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए देश के गृहमंत्री माननीय अमित शाह जी और मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री आदरणीय डॉ. मोहन यादव जी के कर कमलों से अटल बिहारी बाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय इंदौर में प्रदेश के समस्?त जिलों के 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस का उद्धघाटन किया गया।

राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक्सीलेंस कॉलेजों की विशेषता के बारे में बताते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप इन कालेजों में सभी कोर्स उपलब्ध होंगे तथा ये कॉलेज सभी संसाधनों से युक्त होंगे। युवा पीढ़ी को इन कॉलेजों का लाभ मिलेगा। राज्य के सभी जिलों में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस की शुरुआत हो रही है। वर्तमान में मौजूद कॉलेजों को ही अपग्रेड कर नया दर्जा दिया जा रहा है। इन कॉलेजों में सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। साथ ही जरूरत के मुताबिक आने वाले समय में शिक्षकों की पदस्थापना भी की जाएगी।

गृहमंत्री माननीय अमित शाह जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्?ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्?वयन लागू करके यशस्?वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्?द्र मोदी जी की दूरदर्शिता का परिणाम है। मध्?यप्रदेश पहला ऐसा राज्?य जहां राष्?ट्रीय शिक्षा नीति को सर्वप्रथम लागू किया गया। जिससे शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्?न नवाचार हुये। पीएम कॉलेज ऑफ एक्?सीलेंस को लेकर युवा विद्यार्थियों में नई उम्?मीद जगी है। इन महाविद्यालयों में कौशल विकास के साथ सामान्?य शिक्षा को एकीकृत करके विभिन्?न 35 व्?यवसायिक पाठ्यक्रम शुरू किये गये, जिससे विद्यार्थी स्?वरोजगार करके अपना जीवन यापन कर सकते हैं। मध्?यप्रदेश एक मात्र ऐसा राज्?य है जिसने मेडिकल एवं इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम को मातृभाषा में अनुवादित करने का कार्य किया है। जिससे मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की पढ़ाई विद्यार्थियों के लिए शुलभ हो गई ।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के सभागार में उपकुलपति डॉ. गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव विजय सिंह, डॉ. बी.एस. राजपूत, डॉ. अमित जैन, डॉ. आशीष पचौरी, डॉ. आशीष तिवारी, डॉ. दिनेश मिश्रा, डॉ. दिगंत द्विवेदी, श्री माधवशरण पाठक, श्री विवेक प्रताप सिंह के साथ-साथ विश्?वविद्यालय के प्राध्?यापकगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राऐं अटल बिहारी बाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय इंदौर से प्रसारित उद्घाटन समारोह में अभासी माध्यम से उपस्थित होकर सहभागी बने।

एक वृक्ष मां नाम के तहत वृक्षारोपण

विदिशा। एक वृक्ष मां के नाम राज्य स्तरीय अभियान के तहत कलेक्टोरेट परिसर में कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य के निर्देशन में अपर कलेक्टर अनिल डामोर के नेतृत्व में संघन वृक्षारोपण किया गया। पौधों को रोपने के साथ ही उनको संरक्षित किये जाने के लिये ट्री-गार्ड, खाद, पानी आदि की व्यवस्था भी की गई। परिसर में विशेष रूप से एक मां वाटिका भी बनाई गई है जिसमें मध्य में पवित्र वट वृक्ष की विधि विधान से पूजा कर रोपित किया गया पवित्र वृक्ष के चारो ओर हर्र, वहेडा, ऑवला, नीम, जामुन, आम, पीपल, कुसुम आदि के वृक्ष भी लगाए गये पौधो के संरक्षण के लिये ट्री-ग्रार्ड, खाद, पानी की व्यवस्था की गई। कलेक्टोरेट मीडिया प्रभारी उदय सिंह हजारी ने बताया की कलेक्टर के निर्देशन में परिसर में पॉच सौ से अधिक फलदार, औषधीय वृक्षों का रोपण किया ।

कामकाजी बैठक का हुआ आयोजन

विदिशा। रविवार को भारतीय जनता पार्टी भाजपा जिला कार्यालय में दुर्गानगर मंडल बेस नगर एवं वेत्रवती मंडल की कामकाजी बैठक आगामी कार्यक्रम को लेकर संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ विधायक मुकेश टंडन एवं वरिष्ठ नेतागणों ने किया। बैठक में भाजपा के आगामी कार्यक्रमों के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम, शक्ति केंद्रों पर कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित कर सभी पोलिंग एजेंट एवं बूथ अध्यक्ष का सम्मान समारोह आयोजित करने, गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सभी साधु संत महात्मा धार्मिक क्षेत्र में काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं के सम्मान समारोह आयोजित करने, महिला जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह आयोजित करने, कारगिल विजय दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करने पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई और यह सभी कार्यक्रम शक्ति केंद्र प्रभारी शक्ति केंद्र संयोजक सह संयोजक एवं मंडल के पदाधिकारी सहित जन प्रतिनिधियों के सहयोग से भव्य रूप से आयोजित किए जाएंगे।

आगामी कार्यक्रम के आयोजन के साथ ही भाजपा की आजीवन सहयोग निधि की रसीद काटकर संगठन एवं अपने मंडल अध्यक्ष को जमा करना है संगठन की रसीद पुस्तकों का वितरण पूर्व में ही किया जा चुका है इस राशि से भाजपा के कार्यालय व्यवस्था एवं संगठन के व्यय के लिए होती है इसमें हम सभी को सहयोग देना चाहिए ऐसा आग्रह भाजपा वरिष्ठ नेता बाबूलाल ताम्रकार द्वारा किया गया।

विधायक मुकेश टंडन ने विधानसभा व लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक विजय के लिए भाजपा के सभी वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन कर धन्यवाद दिया एवं आगमी 20 जुलाई से मतदाता धन्यवाद यात्रा में सभी ग्रामीण व शहर के मतदाताओं का आभार व्यक्त करना है सर्वप्रथम ग्रामीण क्षेत्र से यह धन्यवाद यात्रा आरंभ होगी। बैठक में स्वतंत्रता सैनानी पार्टी के वरिष्ठ भाजपा नेता बाबुलाल ताम्रकार का स्वागत कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई। बैठक में भाजपा जिला उपाध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव, जिला मंत्री मनोज पंजवानी, संतोष शर्मा वेत्रवती मंडल अध्यक्ष पंकज पांडे ने सम्बोधित किया। कामकाजी बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित नपा उपाध्यक्ष संजय दिवाकीर्ति, निरपत सिंह कुशवाहा, मोहन यादव, सतीश जैन, पार्षद दीपक कुशवाहा, संतोष पेंटर, लीलाधर लोधी, राम प्रसाद पासी, शैलेन्द्र सरवैया, कौशल अहिरवार, मीडिया प्रभारी सुनील साहू, मंत्री प्रशांत शर्मा, प्रशान्त खत्री, दीपसिंह जादौन, बबलू जादौन, गौरव माहेश्वरी, रिंकू रैकवार, दीपक रैकवार, पंकज अहिरवार, कल्लू लियाकत खान, गोविंद बरसैया सहित मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दुर्गानगर मंडल के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह चौहान ने किया एवं आभार व्यक्त बेस नगर मंड़ल के अध्यक्ष दिनेश कुशवाहा ने किया।

सोशल मीडिया से

औद्योगिक संगठनों से निवेदन है कि हम पुनः निवेदन करें।

उद्योग जगत पुनः निवेदन कर आप को निम्न बिंदुओं पर सुझाव प्रेषित करता है--

(1) एक समय सीमा के पश्चात् उद्योगों की लिज होल्ड जमीन को फ्री होल्ड किए जाने के संबंध में पुनः विचार करें।

(2) वर्तमान में राज्य शासन द्वारा कई नए-नए क्लस्टर बनाए जा रहे हैं उसकी तो आवश्यकता है ही परंतु जो बंद उद्योग है इसका समापन भी शीघ्र तह शीघ्र किया जाना अति आवश्यक है ताकि वह जमीन एवं शेड का उपयोग किया जा सके।

(3) बन्द उद्योगों के समापन करने के लिए फ्री होल्ड लैंड बहुत ही कारगर साबित हो सकती है क्योंकि वह जमीन एवं शेड को बेचकर के सारी देनदारियां को चुकता किया जा सकता है।

(4) अगर कोई उद्यमी बंद उधौग लेना चाहता है तो उसको जमीन शेड को तुरंत ट्रांसफर होने से वह अपना उद्योग कम समय में चालू करने की स्थिति में हो जावेगा।

(5) अगर कोई उद्यमी बंद उद्योग लेकर के कोई नया उत्पाद चालू करता है तो उसको केंद्र शासन एवं राज्य शासन की सभी तरह की सुविधा है जैसा की एक नए उद्योग को मिलती है वह दी जाना चाहिए।

(6) फ्री होल्ड होने की वजह से बैंक भी जमीन को मॉर्टगेज रख कर, वैल्यूएशन कर, आसानी से लोन दे सकती है।

अतः मान्य मंत्री महोदयों से निवेदन है कि उपरोक्त सुझावों को निराकरण करने का कष्ट करें।

अपोलो माइक्रो सिस्टम्स लिमिटेड को भारतीय सेना द्वारा फर्स्ट मेक सेकंड प्रोजेक्ट से सम्मानित किया गया

हैदराबाद, एजेंसी। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स लिमिटेड (बीएसई-540879, एनएसई-), कस्टम-बिल्ट इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सॉल्यूशंस के डिज़ाइन, डेवलपमेंट और असेंबली में अग्रणी, कंपनी ने घोषणा की है कि क्षमता को ध्यान में रखते हुए अपोलो माइक्रो सिस्टम्स लिमिटेड को शॉर्टलिस्ट किया गया और भारतीय सेना द्वारा मेक सेकंड प्रोजेक्ट से सम्मानित किया गया है।

यह परियोजना डीएपी-2020 की मेक सेकंड कैटेगरी के अनुसार व्हीकल माउंटेड काउंटर स्वार्म ड्रोन सिस्टम (संस्करण) की खरीद के लिए है। यह प्रोजेक्ट कंपनी के लिए बहुत प्रतिष्ठित और पहला मेक प्रोजेक्ट है। कंपनी को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि उसके द्वारा विकसित सिस्टम अत्याधुनिक और अत्यधिक भविष्यवादी है। मेक सेकंड परियोजना के रूप में, इसमें कोई लागत दायित्व शामिल नहीं होगा।

इससे पहले, कंपनी ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए अपनी आय की सूचना दी थी। अपोलो माइक्रो सिस्टम्स ने वित्त वर्ष 24 में महत्वपूर्ण वित्तीय वृद्धि हासिल की, जो मुख्य रूप से मज़बूत ऑर्डर निष्पादन से प्रेरित थी। फाइनेंशियल ईयर 24 की चौथी तिमाही के लिए रेवेन्यू 1,354.37 मिलियन रुपये से ऊपर उठकर फाइनेंशियल ईयर 23 की चौथी तिमाही में 1,068.46 मिलियन रुपये रहा, इसी के साथ पूरे साल का रेवेन्यू वित्त वर्ष 23 में 2,975.26 मिलियन रुपये की तुलना में 3,716.34 मिलियन रुपये रहा, जो 24.91 प्रतिशत की स्वस्थ वृद्धि दर्शाता है। फाइनेंशियल ईयर 24 की चौथी तिमाही के लिए कंपनी का एबिटा फाइनेंशियल ईयर 23 की चौथी तिमाही में 228.83 मिलियन रुपये से बढ़कर 287.43 मिलियन रुपये हुआ और पूरे वित्तीय वर्ष के लिए यह 838.66 मिलियन रुपये तक पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 23 में 640.91 मिलियन रुपये से ऊपर था। यह तिमाही के लिए 25.61 प्रतिशत और वर्ष के लिए 30.85 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जिसका श्रेय परिचालन के बढ़े हुए पैमाने और लागत-कुशल निष्पादन को दिया जाता है।

गारमेंट मंत्रा लाइफस्टाइल लिमिटेड के बोर्ड ने 1-1 अनुपात में बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। गारमेंट मंत्रा लाइफस्टाइल लिमिटेड (बीएसई-538216) ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड ने मौजूदा इक्विटी शेयरधारकों को 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय शेयरधारकों और नियामक प्राधिकरणों की मंजूरी के अधीन है।

इससे पहले, कंपनी ने घोषणा की थी कि गारमेंट मंत्रा समूह देश के पश्चिमी, उत्तरी और मध्य क्षेत्र के बड़े ग्राहकों और कमीशन एजेंटों को कुशलतापूर्वक कवर करने के लिए सूरत में एक नया थोक हब स्थापित कर रहा है। कंपनी ने सूचित किया कि इस सेटअप का उद्घाटन महंत श्री नृत्य गोपाल दास जी महाराज (राम जन्मभूमि न्यास और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या के प्रमुख और श्री कृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान, मथुरा के प्रमुख) की पावन उपस्थिति में किया गया।

गारमेंट मंत्रा समूह ने रणनीतिक रूप से सूरत के प्रतिष्ठित व्यावसायिक घरानों के साथ हाथ मिलाया है। इस रणनीतिक गठजोड़ से दोनों पक्षों को लाभ होगा क्योंकि कंपनी अपनी ताकत यानी उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला पर दांव लगाएंगी और अन्य पक्ष बिक्री और विपणन की देखेंगे ।

गारमेंट मंत्रा एक ऐसी कंपनी है जो भारत की आम जनता की फैशन और लाइफस्टाइल आकांक्षाओं को पूरा करने पर केंद्रित है। कंपनी के प्रमोटरों को कपड़ा उद्योग में 3 दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव है। गारमेंट मंत्रा के 3 व्यावसायिक प्रभाग हैं।

हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड बोर्ड ने वारंट के कन्वर्जन के विरुद्ध इक्विटी शेयर्स के आवंटन को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की लीडिंग स्टील पाइप्स कंपनियों में से एक, हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड ने प्रमोटर ग्रुप और नॉन-प्रमोटर ग्रुप के सदस्यों के लिए वारंट के कन्वर्जन के विरुद्ध 1,77,55,000 इक्विटी शेयर्स के आवंटन को मंजूरी दे दी है। इससे पहले, कंपनी ने घोषणा की थी कि इसे डिपार्टमेंट ऑफ कमर्शियल टैक्सेस उत्तर प्रदेश द्वारा डिस्ट्रिक्ट बुलन्दशहर में फाइनेंशियल ईयर 2023-24 के लिए हाईएस्ट टैक्स पेअर (भामा शाह अवॉर्ड) के रूप में मान्यता दी गई है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार टैक्सेस (करों) के समय पर और ट्रांसपेरेंट पेमेंट के द्वारा देश की अर्थव्यवस्था में हाई-टेक पाइप्स के योगदान को स्वीकार करता है। अनुपालन और एथिकल बिज़नेस प्रैक्टिसेस के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता ने यह विशिष्ट मान्यता अर्जित की है। हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्ट श्री अजय कुमार बंसल ने कहा कि, हम इस पुरस्कार को प्राप्त करते हुए सम्मानित महसूस कर रहे हैं, जो ज़िम्मेदार व्यावसायिक प्रथाओं के प्रति हमारे समर्पण और हमारे राष्ट्र के विकास का समर्थन करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम डिपार्टमेंट ऑफ कमर्शियल टैक्सेस यूपी द्वारा मान्यता की सराहना करते हैं और अनुपालन और पारदर्शिता के हाईएस्ट स्टैंडर्ड को बनाए रखना जारी रखेंगे।

उद्यानिकी फसलों ने दिलाई खरगोन को देश विदेश में नई पहचान

खरगोन। खरगोन ज़िले में विगत एक वर्ष में कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के नेतृत्व और मार्गदर्शन से ज़िले के उद्यानिकी विभाग ने तरक़्क़ी के नए आयाम हासिल किए है।

कलेक्टर श्री शर्मा ने ज़िले का प्रभार संभालते ही विभागीय बैठक में निर्देशित किया कि खरगोन एक कृषि प्रधान ज़िला है। यहाँ उद्यानकी की फ़सलो में मिर्ची पूरे देश विदेश में जाती है तो हम निमाड की मिर्ची की ब्रांडिंग करे इसपर विभाग प्रमुख श्री गिरवाल ने कार्य करते हुए मिर्च की ब्रांडिंग निमाड़ी तीखा लाल के नाम से की। उक्त मिर्च आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने हेतू बैंक से लोन प्रक्रिया में तेज़ी लाने के निर्देश दिये। जिसकी बदौलत विभिन्न उद्योगों की इकाई स्थापित होकर ज़िले के लोगो को रोज़गार मिल रहा है और इन उद्योगों की बदौलत खरगोन का नाम देश भर में प्रसिद्ध हो रहा है।

इन योजनाओं से पायी उपलब्धि

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना

जिले में प्रधानमंत्री सूक्ष्?म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में 120 युनिट स्वीकृति के लक्ष्य प्राप्त हुए थे जिसके विरूद्ध 103 युनिट की राशि 8.30 करोड के आवेदन बैंको के माध्?यम से स्वीकृत करवाये गये है। जिले में कुल 205 बैको के माध्?यम से ऋण स्वीकृत करवाये गये है जिसमें 48 यूनिट मिर्च आधारित उद्योग के ऋण स्वीकृत हुए है। जिनमें सर्वाधिक 34 युनिट मिर्च प्रसंस्करण, 21- बहुउददेशिय आटा चक्की, 18-दुग्ध आधारित उद्योग, 10-नमकीन उद्योग, 42-आटा आधारित उद्योग, 4-बैकरी उद्योग, 4-तेल उद्योग, 3-तेल मिल, 3-गुड उद्योग, 3-मसाला उद्योग, 2- आटा मिल, 2-आइसक्रीम उद्योग, 2-पापड उद्योग, 1-अचार अद्योग, 1-केला चिप्स उद्योग, 1-गुलकंद उद्योग, 1-आलु चिप्स उद्योग, एवं 1-कुरकुरे उद्योग की इकाईयां स्थापित करवाई गई है।

फल क्षैत्र विस्तार- जिले में इस वर्ष 2023-24 अन्तर्गत मनरेगा योजना मे किसानो के निजी/पटटे की भूमि पर आम, अमरूद, नींबू, सीताफल के फलोदयान रोपण का लक्ष्य रखा गया है। इस हेतु लक्ष्यानुसार कृषक चयन उपरांत वर्तमान तक 1574 किसानो के यहा 1687.380 हेक्टेयर मे 868598 पौधो का रोपण कार्य पुर्ण हो गया है। जिले मे विगत तीन से चार वर्षो मे अमरूद थाई पिंक किस्म के फल के रकबे मे निरन्तर बढोत्तरी हो रही है। वर्तमान में लगभग 250 कृषकों के यहॉ अमरूद थाई पिंक का कुल रकबा 380 हेक्टेयर है तथा इन किस्म के उत्पादित फल सीधे दिल्ली विक्रय हेतु कृषकों द्वारा भेजे जा रहे है।

यंत्रीकरण योजना- जिले में अन्तर्गत एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत बागवानी यंत्रीकरण के घटक ट्रेक्टर में 166 कृषको को लाभांवित किया गया है। जिससे कृषकों को 8-10 मजदूर एवं 3-4 जोडी बैल के बराबर कार्य करने से कृषको को समय की बचत के साथ-साथ मजदुरी की भी बचत होती है इसलिए आर्थिक लाभ अधिक प्राप्त होता है।

संरक्षित खेती- जिले में विभागीय योजनान्तर्गत संरक्षित खेती अंतर्गत 21 शेडनेड हाउस एवं पॉली हाउस में खेती के साथ-साथ सीडलिंग नर्सरीयों का संचालन भी किया जा रहा है। जिसमें लगभग प्रतिवर्ष 20 करोड सब्जी/मसाला रोप तैयार किये जा रहे है। जिससे कृषकों को हाईब्रीड मिर्च, टमाटर, बैंगन, पत्तागोभी एवं फूलगोभी के गुणवत्ता युक्त पौधे प्राप्त हो रहे है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना- जिले मे विभागीय योजनान्तर्गत लगभग 55-60 प्रतिशत उद्यानिकी रकबा ड्रिप सिंचाई/मिनी स्प्रिंकलर से सिंचित है जो कि लगभग 45 हजार हेक्टेयर है। ड्रिप सिंचाई/मिनी स्प्रिंकलर सिंचाई से लगभग 40-70 प्रतिशत पानी की बचत होती है एवं पानी के साथ-साथ सुक्ष्म पौषक तत्वों का भी ड्रिप सिंचाई/मिनी स्प्रिंकलर सिंचाई के साथ उपयोग किया जाता है। जिससे मजदुरों व समय की बचत होती है एवं गुणवत्तायुक्त उपज के साथ 25-30 प्रतिशत उत?पादन में वृद्धि होती है।

कैंसर से जूझ रहे गायकवाड़ की बीसीसीआई ने की मदद, फंड का किया ऐलान

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार को कहा कि वह लंदन में ब्लड कैंसर से जूझ रहे पूर्व भारतीय कोच अंशुमान गायकवाड़ के इलाज के लिए तत्काल 1 करोड़ रुपये जारी करेगा। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला क्रिकेट के दिग्गजों, पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव और संदीप पाटिल के अनुरोधों के बीच आया है।

उन्होंने गायकवाड़ के इलाज में मदद के लिए बीसीसीआई से बार-बार अपील की थी। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने अनुभवी क्रिकेटर अंशुमान गायकवाड़ को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तत्काल राशि जारी करने का आदेश दिया है। बीसीसीआई की शीर्ष परिषद ने कहा, ÷श्री जय शाह ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को कैंसर से जूझ रहे भारत के अनुभवी क्रिकेटर श्री अंशुमान गायकवाड़ को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए तत्काल प्रभाव से 1 करोड़ रुपये जारी करने का निर्देश दिया है।÷

बीसीसीआई सचिव ने गायकवाड़ के परिवार से भी बात की है और इस मुश्किल घड़ी में उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। शाह ने गायकवाड़ के परिवार से भी बात की है और स्थिति का जायजा लिया है तथा हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है।

बीसीसीआई ने कहा, बोर्ड इस संकट की घड़ी में गायकवाड़ के परिवार के साथ खड़ा है और श्री गायकवाड़ के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए जो भी आवश्यक होगा, वह करेगा।÷ कई क्रिकेट प्रेमियों और क्षेत्रीय खेल प्रशिक्षकों ने भी एक्स पर पोस्ट करके अंशुमान गायकवाड़ की सहायता के लिए बीसीसीआई से समर्थन का अनुरोध किया था। अंशुमान गायकवाड़ भारत के पूर्व कप्तान डी के गायकवाड़ के बेटे हैं, जिन्होंने 1959 में इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम की कप्तानी की थी। 71 वर्षीय गायकवाड़ ने 1975 से 1987 के बीच भारत के लिए 40 टेस्ट और 15 वनडे मैच खेले।

एमपी टूरिज्म बोर्ड का सिनेमा हॉल निर्माण को बढ़ावा, निवेशकों को मिलेगा 75 लाख रुपए तक का अनुदान

एमपी टूरिज्म बोर्ड द्वारा बनाई गई फिल्म पर्यटन नीति, निवेशकों को सिनेमा में निवेश के लिए प्रोत्साहित कर रही है। मल्टीप्लेक्स और सिनेमा हॉल निर्माण, नवीनीकरण और उन्नयन के लिए फिल्म पर्यटन फिल्म नीति 2020, अंतर्गत निवेशकों को 75 लाख रुपए तक का अनुदान दिया जा रहा है। सिंगल स्क्रीन सिनेमा हॉल की स्थापना के लिए 50 लाख रुपए, मौजूदा सिनेमाघर के उन्नयन के लिए 75 लाख रुपए और मल्टीप्लेक्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए 75 लाख रुपए तक का अनुदान दिया जा रहा है।

फिल्म उद्योग को मिलेगा बढ़ावा : प्रमुख सचिव (पर्यटन एवं संस्कृति विभाग) और प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश को फिल्म शूटिंग हब के रूप में स्थापित किया जा रहा है। साथ ही फिल्म से जुड़ी आधारभूत संचरनाएं विकसित किए जाने के प्रयास किए जा रहे है।मध्य प्रदेश फिल्म पर्यटन नीति प्रदेश में सिनेमा से जुड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। साथ ही स्थानीय फिल्म उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

सिंगल स्क्रीन सिनेमा और मल्टीप्लेक्स निर्माण को मिलेगा प्रोत्साहनः सिंगल स्क्रीन सिनेमा हॉल की स्थापना के लिए न्यूनतम पूंजीगत व्यय 50 लाख पर 15त्न अनुदान दिया जाएगा। प्रति सिनेमा हॉल अनुदान की अधिकतम सीमा 50 लाख रुपए है। दो सालों में बंद हो चुके सिनेमा हॉल को फिर से शुरू करने के लिए न्यूनतम पूंजीगत व्यय 25 लाख पर 15त्न राशि का अनुदान दिया जाएगा। इस अनुदान की अधिकतम सीमा प्रति सिनेमा हॉल 75 लाख रुपए है। इसके साथ ही मल्टीप्लेक्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए न्यूनतम पूंजीगत व्यय 1 करोड़ रुपए पर 15त्न अनुदान दिया जा रहा है। इस अनुदान की अधिकतम सीमा प्रति सिनेमा हॉल 75 लाख रुपए है।

इच्छुक निवेशकों के लिए आसान प्रक्रियाः इच्छुक निवेशक और सिनेमा हॉल ओनर सरल और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से अनुदान के लिए आवेदन कर सकते है। इसके लिए आधिकारिक पोर्टल पर आवेदन पत्र डाउनलोड करें। आवेदन पत्र में आवश्यक जानकारी और दस्तावेजों की सूची उल्लेखित है। आवेदन पत्र के साथ व्यापारिक योजना, वित्तीय विवरण, और सम्पत्ति के स्वामित्व का प्रमाण के साथ आवश्यक दस्तावेज एमपी टूरिज्म बोर्ड के कार्यालय में जमा करना होगा।

श्री आदिनाथ जिनालय में आठ दिनों तक चलेगा मंगल महोत्सव

छिंदवाड़ा – आषाढ़ शुक्ल अष्टमी रविवार के शुभ दिन आगामी आठ दिनों तक चलने वाले जैनदर्शन के अनादि निधन शाश्वत महापर्व श्री अष्टाह्निका का मंगलमय शुभारंभ हुआ।इस प्रसंग पर नगर के अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जिनालय में श्री दिगंबर जैन मुमुक्षु मंडल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के जिनशासन सेवकों ने प्रातः काल की मंगल बेला पर श्री जिनबिंब प्रक्षालन से महोत्सव का शुभारंभ किया पश्चात बड़ी संख्या में श्रावक - श्राविकाओं ने मंगलगान करते हुए वीतरागी देव - शास्त्र - गुरु भगवंतों के साथ श्री नंदीश्वर दीप में विराजमान सर्व अकृत्रिम जिनबिंबो की भाव सहित वन्दना कर उनकी पूजन की ओर श्री नंदीश्वर द्वीप 52 पूजन विधान का भव्य शुभारंभ किया। पूजन विधान के पश्चात सकल समाज ने विदिशा से पधारे बाल ब्रह्मचारी अमित भैय्या के मार्मिक प्रवचनों का लाभ लेकर निज शुद्धात्मा की महिमा जानी।

ये रहे सौभाग्यशाली परिवार आठ दिनों तक चलने वाले श्री नंदीश्वर दीप 52 पूजन विधान में मां जिनवाणी को विराजमान करने का सौभाग्य श्रीमती प्रमिला अशोक जैन, नयना ज्ञाता जैन वैभव परिवार को प्राप्त हुआ वहीं पंचमेरू को विराजमान करने का सौभाग्य श्रीमती संगीता दीपक राज जैन, मीना प्रमोद पाटनी, कीर्ति राजकुमार जैन, वर्षा राजू पाटनी एवं जुली श्रेय पाटनी को प्राप्त हुआ। मंगल कलश स्थापना करने का सौभाग्य श्रीमती रानी के.सी.जैन, जयंती महेंद्र जैन, प्रगति राजेश जैन, सरोज पारुल जैन एवं प्रमिला जैन भिलाई को प्राप्त हुआ। अष्ट मंगल द्रव्य विराजमान करने का सौभाग्य मंजू जिनेन्द्र जैन, स्वाति अमित जैन एवं सुधा प्रद्युम्न जैन को प्राप्त हुआ।

प्रतिदिन के कार्यक्रम : फेडरेशन सचिव दीपक राज जैन ने बताया की आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा 21 जुलाई तक चलने वाले महापर्व पर प्रातः 7 बजे से आदिनाथ जिनालय में श्री जिनबिंब प्रक्षालन, 7.15 से जिनेन्द्र पूजन, नंदीश्वर दीप 52 पूजन विधान, 9 बजे से बाल ब्रह्मचारी अमित भैय्या विदिशा के मंगल प्रवचन, रात्रि 7 बजे से स्वाध्याय भवन में बच्चों की पाठशाला, 8 बजे सामूहिक पाठ एवं 8.30 बजे से बाल ब्रह्मचारी अमित भैय्या के मंगल प्रवचनों को सुनने का लाभ सकल समाज को प्राप्त होगा।

रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा प्लेसमेंट डे और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए ग्रेजुएशन डे सेरेमनी का हुआ आयोजन

भोपाल। रबिन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की मेधावी प्रतिभाओं को सम्मानित करने शनिवार को होटल मैरियट में प्लेसमेंट डे और अंतरराष्ट्रीय छात्रों की ग्रेजुएशन डे सेरेमनी का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के 300 से अधिक ऐसे छात्रों को सम्मानित किया गया जिनका देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्लेसमेंट हो चुका है। कार्यक्रम में इस अवसर पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे, प्रो चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स और कुलसचिव डॉ. विजय सिंह, प्रतिकुलपति डॉ. संगीता जौहरी, डीन एकेडमिक्स डॉ. संजीव गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में चयनित छात्रों को ऑफर लेटर एवं अचीवमेंट सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। इसके अलावा आरएनटीयू में अध्ययनरत अंतरराष्ट्रीय छात्रों को डिग्री भी प्रदान की गई। इसमें अफ्रीका के दस देशों के छात्र शामिल रहे। सेरेमनी में बड़ी संख्या में शिक्षाविद और छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

कार्यक्रम में अतिथि उद्बोधन में संतोष चौबे ने अपने कॉलेज के दिनों को याद किया और कई अनुभव साझा

किए। साथ ही उन्होंने छात्रों को बताया कि अफ्रिकी देशों में कार्य की बड़ी संभावनाएं मौजूद हैं, जिसके चलते आप अपने क्षेत्र में कार्य करने के साथ करियर को भी ऊंचाई प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आज तकनीक तेजी से बदल रही है ऐसे में स्किल अपग्रेडेशन किसी भी व्यक्ति के लिए महत्वपूर्ण हो गया है। डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने छात्रों को आरएनटीयू का ब्रांड एंबेस्डर बताया और कहा कि आप जहां भी रहेंगे, वहां आपकी वजह से आरएनटूयी पहचाना जाएगा। कुलसचिव डॉ. विजय सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह जीवन का एक पड़ाव है, लेकिन व्यक्ति की सीखने की प्रक्रिया जीवनपर्यंत चलती रहती है। इसलिए आप भी लगातार अपने कौशल को अपग्रेड करते रहें जिससे करियर को नई ऊंचाई पर ले जा सकें। साथ ही उन्होंने सभी छात्रों को प्लेसमेंट के लिए शुभकामनाएं दी। आभार वक्तव्य अफ्रीकन छात्रा (बी.एससी-सीएस) रोजी ने दिया। कार्यक्रम की समंवयक इंटरनेशनल काउंसलिंग सेल की निदेशक डॉ. रितु कुमारन, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. अंकित पंडित विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समारोह में विश्वविद्यालय के 12 खिलाड़ियों को शासकीय सेवाओं में चयनित होने अप्रीसिएशन अचीवमेंट सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। गौरतलब है कि रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश का पहला कौशल आधारित विश्वविद्यालय है। यह मध्यप्रदेश में एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है, जिसने लगातार पाँच वर्ष एन.आई.आर.एफ रैंकिंग में स्थान हासिल किया है। यहां नीति आयोग के सहयोग से अटल इनक्यूबेशन सेंटर का सफल संचालन किया जा रहा है। यहाँ प्रधानमंत्री कौशल केंद्र भी स्थापित है। अब तक विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा, भारतीय ज्ञान परंपरा, शोध नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट मानक स्थापित्त किए हैं।

क्लीन सिटी इंदौर अब बना ग्रीन सिटी 12 घंटे में 11 लाख से ज्यादा पौधे लगाने का विश्व रिकॉर्ड बना

इंदौर। स्वच्छता के लिए देशभर में प्रसिद्ध शहर इंदौर ने आज वृक्षारोपण में भी रिकॉर्ड बना दिया। 12 घंटे में शहर के रेवती रेंज इलाके में 11 लाख से ज्यादा पौधे रोपे गए। ये एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। अभी तक यह रिकॉर्ड असम के नाम दर्ज था। वहां 9 लाख 26 हजार पौधे लगाए गए थे। अब यह रिकॉर्ड इंदौर के नाम पर दर्ज हो गया। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत यह खास रिकॉर्ड बनाया गया। एक ही दिन में 11 लाख पौधे लगाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम करने का लक्ष्य था। लेकिन, यह आंकड़ा 11 लाख से ज्यादा पहुंच गया। 60 हजार से अधिक लोगों और विभिन्न सामाजिक, औद्योगिक और धार्मिक संस्थाओं द्वारा किया गया उत्साहपूर्वक पौधरोपण किया। 24 घंटे के भीतर सर्वाधिक वृक्ष लगाने का रिकॉर्ड मध्य प्रदेश शासन के नाम बना। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

शहर के बाहरी इलाके में उज्जैन रोड पर स्थित रेवती रेंज पर हुए इस कार्यक्रम में शहरवासियों ने एकजुटता का परिचय देते हुए एक दिन में 11 लाख से ज्यादा पौधे लगाए। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ख़ास अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का हिस्सा बने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जिन्होंने इंदौर की जमकर सराहना करते हुए वृक्षों का महत्व बताया। जो शहर अभी तक 'क्लीन सिटी' के रूप में लोकप्रिय था, अब वो 'ग्रीन सिटी' भी कहलाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान इंदौर में जन आंदोलन बन गया। इसे जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रधानमंत्री का सटीक जवाब माना जा रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रेवती रेंज परिसर में आयोजित 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत 11 लाख वृक्षारोपण के कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पौधरोपण करना आसान है। लेकिन, उन्हें बड़ा करना काफी कठिन है। उन्होंने सभी पौधरोपण करने वालों से कहा कि वे लगाए गए पौधों का अपने बेटे की तरह पालन करें। यह वृक्ष आगे एक माँ की तरह आपकी चिंता करेगा। उन्होंने कहा कि 51 लाख पौधे लगाना और एक ही दिन में 11 लाख पौधे लगाना अपने आप में अभूतपूर्व हैं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अनूठे आयोजन के लिये इंदौर वासियों को शुभकामनाएं और बधाई दी।

इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर, सांसद शंकर लालवानी, सांसद कविता पाटीदार, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सभी विधायक और प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता रणदीप हुड्डा, फिल्म निर्देशक, निर्माता और लेखक नीरज पाठक और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री ने विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि रणदीप हुड्डा ने फिल्म के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीर सावरकर जी को चिरंजीवी बनाने का काम किया है।

कई उपलब्धियों के बाद अब 'ग्रीन सिटी'

अमित शाह ने कहा कि इंदौर अभी तक स्वच्छता, स्वाद, सहयोग, सुशासन और सहभागिता के लिए जाना जाता हैं। आज से इंदौर 'एक पेड़ माँ के नाम अभियान' में वृहद पौधरोपण के लिए भी देश भर में जाना जाएगा। इंदौर में 11 लाख पौधे रोपने का यह विश्वविक्रम पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई की नगरी इंदौर को नए कीर्तिमान के साथ पूरे विश्व में प्रसिद्ध करेगा। उन्होंने कहा कि इंदौर स्मार्ट सिटी, मेट्रो सिटी, क्लीन सिटी, मॉडर्न एजुकेशन का हब बनने के बाद अब ग्रीन सिटी के नाम से भी जाना जाएगा। जन सहभागिता से किसी भी अभियान को सफल बनाया जा सकता है, जो इंदौर ने पुनः करके दिखाया।

भारत का लंग्स है मध्य प्रदेश

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि मैं मध्यप्रदेश को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। यह भारत का लंग्स है, जो पूरे देश को ऑक्सीजन देने का काम करता है। प्रदेश का 31त्न क्षेत्र फॉरेस्ट कवर में आता है और पूरे देश का 12त्न फॉरेस्ट कवर मध्यप्रदेश में हैं। जिससे मध्य प्रदेश में पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को भी बढ़ावा मिला है। प्रदेश में 6 टाइगर रिजर्व, 11 नेशनल पार्क और 24 अभ्यारण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा कुन्हो में चीते भी लाए गए हैं।

भोपाल और उज्जैन में भी वृक्षारोपण होगा

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि मालवा की संस्कृति में शुरू से ही प्रकृति के साथ मेलजोल बनाकर रखने का रिवाज है। एक पेड़ माँ के नाम अभियान ने बहुत व्यापक रूप ले लिया है। जिसमें इंदौर में 51 लाख, भोपाल में 40 लाख और उज्जैन में 10 लाख पौधे लगाए जा रहे हैं। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर शहर प्रधानमंत्री मोदी जी का दीवाना है। प्रधानमंत्री के हर संकल्प में इंदौर की भागीदारी रहती है। उन्होंने ही कहा था कि 'एक पेड़ माँ के नाम' लगाना है। इंदौर की जनता ने फैसला किया कि इस संकल्प को पूरा करेंगे। इंदौर की जनसंख्या 30 लाख है लेकिन हम 51 लाख पौधे लगाएंगे। इतना ही नहीं हमारा अनुमान है कि 60 लाख पौधे लगाए जाएंगे।

सौ से अधिक एनआरआई भी सहभागी बने

इंदौर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रेवती रेंज में वृक्षारोपण अभियान में सहभागिता करने के लिए 100 से अधिक एन.आर.आई. भी पहुँचे। इसमें यूएई, यूएसए एवं यूके से पहुँचे एनआरआई भारतीयों ने पूरे उत्साह से वृक्षारोपण किया।

बीएसएफ जवानों ने रोपे हजारों वृक्ष

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आज रेवती रेंज में सीमा सुरक्षा बल के दो हजार जवानों ने हजारों वृक्षों का रोपण किया। डिप्टी कमाडेंट श्री राकेश मीणा ने बताया आज हमारे जवानों ने पूरे उत्साह से एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षा रोपण किया।

50 स्कूलों के ढाई हजार एनसीसी विद्यार्थियों ने भाग लिया

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रेवती रेंज में आज 50 विद्यालयों के ढाई हजार से अधिक एनसीसी विद्यार्थियों ने वृक्षारोपण किया। ग्रुप हैडक्वाटर एनसीसी अधिकारी दीपक कुमार ने बताया आज एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत एनसीसी के विद्यार्थियों ने उत्साह से वृक्षारोपण किया।

पैरालिसिस से ग्रसित ने किया वृक्षारोपण

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत आज इंदौर के रेवती रेंज पहाड़ी पर पैरालिसिस से प्रभावित इंदौर निवासी 40 वर्षीय पूनम मंदानी ने वृक्षारोपण अभियान में सहभागिता की। उन्होंने अपनी माताजी श्रीमती उर्मिला मंदानी एवं मेडिकल टीम के सहयोग से रेवती रेंज पहुंचकर वृक्षारोपण किया।

नितिन सांवला ब्राच मैनेजर पद से हटाये गये

छिंदवाड़ा। को.बैंक उमरानाला के प्रभारी प्रबन्धक नितिन सांवला प्रबन्धक पद से हटाकर उन्हे लिपिक उसी ब्रांच में बनाया गया है, उनके स्थान पर संदीप उरकुडे को शाखा प्रबंधक बनाया गया। नितिन सांवला के व्यवहार को लेकर ग्रामीण परेशान थे, नितिन सांवला उमरानाला रोज छिंदवाड़ा से आना जाना करते।

पराग जैन बने सी.ए.

छिंदवाड़ा। विगत् दिवस घोषित हुये सी ए परीक्षा परिणामों में जैन रेस्टारेंट भोजनालय परासिया के संचालक प्रमोद कुमार जैन और आकांक्षा जैन के सुपुत्र एवं चाचा प्रवीण कुमार जैन के भतीजे पराग जैन ने भी इस परीक्षा में सफलता हासिल कर चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का गौरव प्राप्त किया । इस उपलब्धी पर परिवारजनों के साथ समस्त जैन समाज ने उनके स्वर्णिम भविष्य की शुभकामनाएँ की । पराग ने अपनी बिजडम पब्लिक स्कूल से कक्षा 10 एवं 12 वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की और इसके बाद सी.ए. की परीक्षा स्थानीय राजमाता सिंधिया गर्ल्स कालेज छिंदवाड़ा से दी थी ।

गुरुकुल में देश विदेश से आये पालकों की बैठक में छात्र परिषद का गठन

छिंदवाड़ा। श्री शक्ति ट्रस्ट द्वारा संचालित संत आशारामजी गुरुकुल में देश विदेश से आये पालकों की बैठक सम्पन्न हुई। विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता के गुण विकसित हों, इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु छात्र परिषद का गठन किया गया। इस दौरान कैबिनेट सदन ने गुरुकुल के छात्र छात्राओं के चार सदन बनाये । सभी सदनों को पर्वतों के नाम दिए जिसमें हिमालय, विंध्याचल, मलयगिरि और अरावली प्रमुख हैं। सभी सदनों के अलग-अलग नायक, उपनायक, सांस्कृतिक नायक, क्रीड़ा नायक बनाये गए। सर्व सहमति से नारायण शेंडगे और खुशी सावनेरे को गुरुकुल का नायक घोषित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वायु सेना के सेवानिवृत्त कुबेर सिगोतीया समिति के अध्यक्ष मदन मोहन परसाई, खजरी आश्रम के संचालक जय राम भाई ने उपस्थित दर्ज की। बैठक में देश विदेश से आये पालकों के साथ गुरुकुल की संचालिका दर्शना खट्टर, प्रचार्या प्रिया सिंह, प्रबंधक डॉ. सुशील सिंह परिहार, छात्रावास प्रभारी सोमनाथ पवार भी उपस्थित रहे।

कराते खिलाड़ियों को मिले बेल्ट

छिन्दवाड़ा– स्थानीय एडीफाय स्कूल मे डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स कराते एसोसिएशन व एडीफाय स्कूल के संयुक्त तत्वाधान में कराते खिलाड़ियों की बेल्ट परीक्षा म.प्र.कराते प्रमुख श्री राजेन्द्र सिंह तोमर जी के कुशल मार्गदर्शन में कराते प्रशिक्षक रविन्द्र जायसवाल द्वारा ली गई, जिसमें कराते खिलाड़ियों ने कराते परीक्षा देकर बेल्ट प्राप्त किया इस अवसर पर स्कूल संचालक सुमित साहू जी ,प्रिंसीपल प्रियंका साहू, स्कूल कोऑर्डिनेटर उज्वल कारफा , कराते कोच रविंद्र जायसवाल, व्यायाम शिक्षक संदीप अहिरवार ने सभी बच्चों को शुभकामना बधाई दी।

रिंकू साहू बने जिला सचिव दीपक बने महानगर प्रमुख

छिंदवाडा। राष्ट्रीय हिंदू सेना जिला अध्यक्ष यमन साहू छात्र परिषद जिलाध्यक्ष विजय गौली की सहमति से जिला महानगर की कार्यकारिणी गठित कर युवाओ को निम्न पदो की नियुक्ती हुई यह बैठक जिला उपाध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव नगर अध्यक्ष ऋषि लाला लाला के निर्देशन मे बैठक सम्पन्न हुई बैठक मे संगठन से जोड़ने का कार्य निरंतर जारी है ओम के उच्चारण के साथ बैठक का सुभारम्भ किया गया बैठक मे समाज सेवा, हिंदुत्व, गौरक्षा, माताओ बहनो की रक्षा, एवम जिले मे हो रहे लब जिहाद रोकने व अन्य समाज सेवाओ के लिए हिन्दू युवाओ को जागरूक किया गया सभी युवाओं को संगठन में कार्य करने की पध्दति समझाई गई और जय श्रीराम के नारे लगाकर बैठक का समापन किया गया जिसमे सर्व सहमति से जिला सचिव रिंकू साहू महानगर प्रमूख दीपक चंद्रवंशी नगर संयोजक गोविंदा भामोरे को नियुक्त किया गया एंव नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया बैठक मे राष्ट्रीय हिंदू सेना के सैकडो कार्यकर्ता मौजुद रहे एवम राष्ट्रीय हिंदू सेना की सदस्यता ली।

पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक

छिन्दवाड़ा। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा छिन्दवाड़ा के अध्यक्ष मीर जाहिद अली ने बताया कि दिनांक 14 जुलाई 2024 दिन रविवार को समय दोपहर 12:30 बजे से स्थान दीनदयाल पार्क पानी टंकी छिन्दवाड़ा में वरिष्ठ पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक नये सदस्य एन.जी.महंत की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें दिनांक 23 जून 2024 को सम्पन्न प्रांतीय महासम्मेलन जबलपुर में लिये गये निर्णयों की जानकारी दी गयी ,जिसमें मुख्यतः संगठन के संविधान के अनुरूप पंजियों का संधारण ,बैंक में एकाउण्ट खोलना ,संगठन में सदस्यों की संख्या में बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है। ब्लॉक स्तर ,ग्राम स्तर ,कस्बा ,स्तर ,वरिष्ठ नागरिक एवं पेंशनरों की समितियों का गठन कर संख्या बल पर प्रकाश डाला गया । माननीय प्रांताध्यक्ष महोदय राजकुमार दुबे ने फर्जी तौर पर संगठन के नाम से धार्मिक ,बर्थ डे ,मैरिज इन्वेशरी एवं अन्य नेता का कार्टून बनाकर पोस्ट किया जा रहा है जिस पर उन्होंने घोर आपत्ति दर्ज की हैं ।

जिला पुरातत्व, पर्यटन व संस्कृति परिषद की बैठक 16 को

छिन्दवाड़ा। जिला पुरातत्व, पर्यटन व संस्कृति परिषद की बैठक कलेक्टर श्री शीलेन्?द्र सिंह की अध्यक्षता में 16 जुलाई को दोपहर 3 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं सह परिषद के सचिव श्री पार्थ जैसवाल ने बताया कि परिषद की प्रबंधकारणी की बैठक में छिंदवाड़ा मैराथन, होम स्टे की प्रगति और पर्यटन क्विज की व्यवस्थाओं पर चर्चा की जाएगी। साथ ही तामिया इंटरप्रिटेशन सेंटर व रातेड़ साइड कैम्प के संचालन के लिए भी चर्चा होगी। इसके लिए स्थानीय टूर ऑपरेटर को भी बैठक में आमंत्रित किया गया है।

उपचुनाव जीते कमलनेश शाह बनेंगे मंत्री

छिंदवाड़ा। भाजपा ने अमरवाड़ा उपचुनाव जीत लिया है। कांग्रेस से भाजपा में आये कमलेश शाह ने लोकसभा चुनाव में इस्तीफा दिया था। बताया जाता है कि इस्तीफा देते समय उन्हे आश्वासन दिया गया था कि जीतने पर उन्हें मंत्री बनाया जावेगा। कांग्रेस से भाजपा में आये विधायक रावत को मंत्री बनाया गया है, कमलेश शाह को भी मंत्री बनाया जावेगा, संभवतः एक हफ्ते के अन्दर उन्हें मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है।

महाविद्यालय के विकास और विद्यार्थियों को उत्कृष्ट सुविधाएं दिलाने में कोई कसर नहीं छोडेंगे: बंटी साहू

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस से विद्यार्थियों का भविष्य उज्वल बनेगा: बंटी विवेक साहू कॉलेज के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए सांसद, वर्चुअली गृहमंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सुना

छिंदवाड़ा:- पी.जी. कॉलेज छिंदवाड़ा को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में उन्नयन किया गया हैं इस उद्घाटन समारोह में गृहमंत्री अमित शाह एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने वर्चुअली संबोधित किया जिसे जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों व्दारा सुना गया। महाविद्यालीन समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में सांसद बंटी विवेक साहू उपस्थित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि देश के विकास के लिए विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा मिलें इसकी शुरूआत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में हो गई हैं। इसके लिए में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद देना चाहता हूं। कि इस नवीन शिक्षा नीति से विद्यार्थियों का भविष्य बनेगा।

सांसद श्री साहू ने विद्यार्थियों से कहा कि यहां आपका सुनहरा भविष्य हैं इस समय का सदुउपयोग करें। सब कुछ वापस आ सकता हैं। लेकिन यह समय दोबारा नहीं आ सकता। हम सौभाग्यशाली हैं। कि हमारे पी.जी.कॉलेज में नवीन विषय की शुरूआत हुई हैं। जिसमें व्यवसायिक पाठयक्रम की भी पढ़ाई होंगी। इससे आप अपना सुनहरा भविष्य बना सकते हैं उन्होंने कहा कि हमारे समय यहां सब मिलता तो आज देश का भविष्य और कुछ होता, लेकिन पहले के लोगो ने ध्यान नहीं दिया उन्होंने कहा कि कॉलेज को 3 करोड 74 लाख रूपये का अनुदान मुख्यमंत्री जी व्दारा दिया गया हैं। सांसद ने कहा कि कॉलेज में नई सुविधाओं की शुरूआत के साथ कॉलेज में स्थापित भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ, म.प्र.हिंदी ग्रथ एकादमी के लाईब्रेरी आऊटलेट काऊंटर विवेकानंद युवा संसाधन केन्द्र और विद्यार्थियों के लिए बस सेवा प्रांरभ की जायेगीं।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत मंत्री माखन शर्मा, महापौर विक्रम अहके, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित सक्सेना, वरिष्ठ भाजपा नेता विजय पांडे, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती गरीमा दामोदर, जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष भरत घई एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में मिलेगी सुविधाएं

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के लिए 374 लाख रूपये अनुदान शैक्षणिक व अधोसंरचनात्मक विकास हेतु दिया गया हैं। कॉलेज में नवीन विषयों बायोटेक्लॉजी कम्प्यूटर साइंस स्किल आधारित डिग्री पाठ्यक्रम, बी.कॉम.इन बैंकिग फाइनेनसियल सर्विस एंड इन्सुरेंस (बी.एफ.एस.आई.), आई.आई.टी. दिल्ली के सहयोग से सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम, आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस फौंनटेक वीथ ए.आई. बी.एड. पाठ्यक्रम (प्रक्रियाधीन) विमानन पाठ्यक्रम कृषि स्नातक पाठ्यक्रम, बस सेवा का शुभारंभ (विद्यार्थियों की आवागमन सुविधा हेतु) विद्या वन का विकास (पर्यावरण संरक्षण एवं सघन पौधारोपण हेतु), हिन्दी ग्रंथ अकादमी आउटलेट (ज्ञान संपदा सर्वसुलभता हेतु), भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ की स्थापना (आस्था के पुनर्जागरण, स्वदेशी संस्कृति के प्रचार-प्रसार व क्रियान्वयन हेतु), विवेकानंद युवा संसाधन केन्द्र का उन्नयन (युवा उद्यमिता के लिए अनुकूल वातावरण का निर्माण, कौशल व ज्ञान के ससक्तिकरण हेतु), स्नातक चतुर्थ वर्ष में रिसर्च एवं आनर्स पाठ्यक्रम (समग्र और बहुविषयक शिक्षा की संपूर्ण श्रृंखला का अनुभव प्रदान करने का उद्देष्य से) शामिल हैं।

देश को विकसित राष्ट्र बनानें में गुजराती समाज की होगी महत्वपूर्ण भूमिका: बंटी विवेक साहू

गुजराती समाज ने किया सांसद का सम्मान

छिंदवाड़ा। गुजराती समाज द्वारा सांसद बंटी विवेक साहू का सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें गुजराती समाज के वरिष्ठों द्वारा सांसद को सम्मानित किया गया इस अवसर पर सांसद ने मध्य प्रदेश गुजरात पर्यटन पत्रिका का विमोचन भी किया एवं समाज की विभिन्न प्रतिभा का सम्मान किया । सम्मान समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने में गुजराती समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। गुजराती रचनात्मक समाज है। और सदैव सभी वर्गों के हित में काम करता है कोरोना काल में समाज के लोगों ने सक्रियता से कार्य किया था। आज भी विभिन्न क्षेत्र में गुजराती समाज अपनी मेहनत से मुकाम बना रहा है। सम्मान समारोह कार्यक्रम में गुजराती समाज के संरक्षण मोहन गोरी, सुरेश मेहता, रमेश परमार ,भद्रेश शाह ने शाल श्रीफल देकर सांसद का सम्मान किया।

गुजराती समाज के अध्यक्ष वनराज जडेजा द्वारा संपादित पत्रिका का विमोचन के साथ सिद्धार्थ जडेजा द्वारा इंडिया टुडे मैगजीन में छपी लेख का प्रति कॉपी सांसद को भेंट की गई। साथ ही स्मृति चिन्ह सचिव रोहित बटाविया, महेश चौहान, केदार शाह, नूतन राठौर ने भेंट किया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधों का वितरण सांसद बंटी विवेक साहू द्वारा अमित रुपड़ा, सोमू चौहान, डॉक्टर भाविन शाह को भेंट किया। आभार प्रदर्शन अश्विन भट्ट ने किया। इस अवसर पर रोहित शाह, मनोज बटाविया, देवेश सरवैया, पप्पू देसाई एवं महिला मंडल युवा मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 2024 के संबंध में सुझाव लिए जायेंगे

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश शासन द्वारा 20 जुलाई को संभागीय मुख्यालय जबलपुर में रीजनल इन्डस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। यह एक दिवसीय रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मौजूदगी में नेताजी सुभाष चंद्रबोस कल्चरल एंड इंफॉर्मेशन सेंटर जबलपुर में सुबह 9 बजे से आयोजित की जायेगी। जिसमें संभाग के सभी जिलों के उद्योगपति सहभागिता करेंगे। इस इंडस्ट्री कॉन्क्लेव को सफल बनाने के लिए सुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने छिंदवाड़ा सांसद विवेक बंटी साहू की उपस्थिति में सोमवार 15 जुलाई 2024 को अलग-अलग बैठकों का आयोजन किया है। सर्वप्रथम दोपहर 01 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में पत्रकारों से चर्चा कर उनसे सुझाव लिए जायेंगे। उसके बाद दोपहर 2 बजे से नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा के महापौर, नगर पालिका/परिषद के अध्यक्षों, जिला पंचायत छिंदवाड़ा/जनपद पंचायतों के अध्यक्ष से चर्चा की जायेगी और उनसे सुझाव लिए जायेंगे। जिसके बाद दोपहर 2.30 बजे से महाप्रबंधक वेस्टर्न कोल फील्ड्स (पेंच एवं कन्हान एरिया) परासिया से चर्चा कर उनसे रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव 2024 के संबंध में सुझाव लिए जायेंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को बैठकों के निर्धारित समय में संबंधितों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

अज्ञात वाहन ने बुजुर्ग दंपति को मारी टक्कर, पत्नी की हुई मौत, पति गंभीर रूप घायल

अमरवाड़ा। छिंदवाड़ा नरसिंहपुर मार्ग 547 में करवडोल मैं अज्ञात बहन ने बुजुर्ग दंपत्ति को मारी टक्कर पत्नी की मौके पर मौत, पति गंभीर रूप से घायल नागपुर रेफर,, जानकारी के अनुसार करवडोल निवासी राम फली पति घसीटा वर्मा उम्र 65 वर्ष अपने पति घसीटा वर्मा के साथ अमरवाड़ा इलाज कराने बाइक से आ रही थी इसी दौरान करबडोल के पास किसी अज्ञात वाहन ने जबरदस्त टक्कर मार दी जिससे राम फली बाई की मौके पर मौत हो गई और घसीटा वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया और यहां से नागपुर रेफर कर दिया गया है उनके पैर में गंभीर चोट आई है वहीं दूसरी और पत्नी रामफली वर्मा को अमरवाड़ा हॉस्पिटल में लाया गया जहां पुलिस ने मर्ग कायम कर पीएम के लिए भेजा और परिजनों को सौंप दिया और अज्ञात वाहन के खिलाफ मामले को पंजीबद्ध किया है

न्यूनतम वेतन से वंचित हजारों कर्मचारी आज करेंगे सामूहिक उपवास

छिंदवाड़ा। ग्राम पंचायत में काम करने वाले चौकीदार, भृत्य, पंप आपरेटर, स्कूलों में छात्रावासों के भृत्य, सफाई कर्मी, खाना बनाने वाली महिला कामगार, अंशकालीन कर्मचारी, अस्पतालों, नगरीय निकाय, बिजली विभाग सहित सभी विभागों के हजारों आउटसोर्स, अस्थाई, ठेका कर्मचारी 15-20 साल से अन्याय के शिकार हैं, यह सभी कामगार हिंदू हैं, जिन्हें खुद को हिन्दुओं की सरकार बताने वाले जिंदा रहने लायक मेहनताना नहीं दे रही है, यह सभी हिन्दू कामगार भुखमरी की कगार पर हैं, जिनसे भाजपा की सरकार 2 से 5 हजार रूपए में 12-14 काम करा रही है, जबकि सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन 11,800 है, जो हर कामगार कर्मचारी वर्ग को मिलना ही चाहिए। न्यूनतम वेतन की मांग को लेकर हजार कामगार कर्मचारी 15 जुलाई से लोकप्रिय मजदूर कर्मचारी नेता वासुदेव शर्मा के नेतृत्व में फब्बारा चौक पर स्थित बापू की प्रतिमा के समक्ष उपवास पर बैठेंगे और सरकार से कामगार कर्मचारियों के लिए न्यूनतम वेतन की मांग करेंगे।

ग्राम पंचायत कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष राजू कुडापे, संतोष उईके, नेमीशरण विश्वकर्मा, कृष्णा मांजरीवार, कैलाश सनेसर, मोनेश्वर इवनाती, रवि धुर्वे ने प्रेस को जारी विग्यप्ति में बताया कि ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स, अस्थाई, ग्राम पंचायत कर्मचारी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा के नेतृत्व में धरना उपवास किया जाएगा, जिसमें हजारों अन्याय के शिकार हजारों कर्मचारी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मैं भी चौकीदार का नारा लगाकर वोट मांगने वाली सरकार में चौकीदार भुखमरी की कगार पर हैं, जिन्हें जिंदा रहने लायक वेतन भी नहीं मिलता है, यही स्थिति स्कूलों, छात्रावासों के अंशकालीन कर्मियों की है, इनसे 2 से 5 हजार में काम कराया जा रहा है, जो अपराध है, सरकार द्वारा न्यूनतम वेतन तय किया जाता है, जो वर्तमान में 11800 है, जो हर काम करने वाले कामगार कर्मचारी को मिलना चाहिए, यह दिलाना सरकार और अधिकारियों की जिम्मेदारी है लेकिन मप्र में खुद सरकार अपने ही कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन नहीं दे रही। मप्र सरकार ने 20 साल से तृतीय और चतुर्थ श्रेणी की नौकरियां नहीं निकाली, जिस कारण लाखों कर्मचारी आउटसोर्स, अस्थाई जैसी नौकरी 2-5 हजार रूपए में करने को मजबूर है यदि सरकार ने चतुर्थ श्रेणी की भर्तियां की होती तो हम सभी सरकारी कर्मचारी होते। जो सरकार चपरासी, चौकीदार की नौकरी नहीं दे सकती उसे सरकार कहलाने का भी

वनरक्षक ने अधिकारियों से प्रताड़ित होकर की आत्महत्या ?

हर्रई के सलैया काष्ठागार में वनरक्षक के रूप में था पदस्थ घर में मिला शव

छिंदवाड़ा/अमरवाड़ा। प्रशासनिक व्यवस्था में फैली धीमी कार्य प्रणाली के कारण एक वनरक्षक को अपनी जान गंवानी पड़ी है ऐसा मामला प्रकाश में आया है जिसकी गंभीरता और गहनता से जांच की जानी चाहिए सोशल मीडिया में वायरल हो रहे आत्महत्या की अनुमति प्राप्त करने के लिए आवेदन जो मुख्य वनसंरक्षक कार्यालय छिंदवाड़ा एवं जिला कलेक्टर कार्यालय छिंदवाड़ा को किए गए आवेदन की प्रति बाकायदा सील साइन लगी हुई जिसमें उच्च अधिकारी से प्रताड़ित होकर आत्महत्या करने की अनुमति मांगने का आवेदन किया गया है आत्महत्या की अनुमति के आवेदन में मृत वनरक्षक लोधी ओमप्रकाश वर्मा जिसने दो आधिकारिक डिवीजन द्वारा जिसमें पश्चिमी वन मंडल छिंदवाड़ा एवं वन मंडल उत्पादन अधिकारी छिंदवाड़ा से उसे आधिकारिक तौर से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है मृत वनरक्षक के आरोप के अनुसार आरोप पत्र में उसके निलंबन,असंच्य वेतन वृद्धि रोककर तथा निलंबन अवधि के दौरान कटी हुई वेतन और समयमान वेतनमान लाभ 2017 से नहीं दिए जाने तथा सवा साल से चार बार स्थान स्थानांतरण कर जिसमें उसका स्थानांतरण सांवरी,देलखारी सांगाखेड़ा और वर्तमान में उत्पादन वन मंडल सलैया डिपो हर्रई जिसमें वर्तमान में वह पदस्थ था जिसका भी अभी 9 माह से वेतन उसे प्राप्त नहीं हुआ था उपरोक्त आवेदन से यह ज्ञात होता है कि उसे उच्च अधिकारियों द्वारा उसे प्रताड़ित किए जाने के आशाय से जानकारी प्रेषित की गई है मृत वनरक्षक के अनुसार वर्तमान में प्रमोशन 2007 का लाभ उसे नहीं दिया गया आर्थिक रूप से प्रताड़ित होने के कारण उसकी मानसिक स्थिति एवं आर्थिक स्थिति डगमगा गई है एवं उसके परिवार के भरण पोषण को आर्थिक संकट आ गया है 2 साल से प्रताड़ित होने के कारण उसका वह और उसका परिवार बहुत परेशान है बार-बार उच्च अधिकारियों से निवेदन करने पर भी उसकी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है इसलिए उसके द्वारा वह और उसके परिवार पत्नी और 14 साल के बच्चा सहित सबके आत्महत्या की अनुमति प्रदान करने का आवेदन सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिसे पुलिस को अपने संज्ञान में लेकर आगे कार्रवाई किया जाना चाहिए संलग्न ग्रामीण विकास मंत्रालय प्रहलाद पटेल एवं मुख्य संरक्षक छिंदवाड़ा दोनों के लिए प्रतिलिपि भी स्पष्ट नजर आ रही है।

सांध्यप्रकाश विशेष

अनंत-राधिका के आशीर्वाद समारोह में रजनीकांत ने छुए अमिताभ बच्चन के पैर, देखा गया अनोखा पल

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के 'शुभ आशीर्वाद' समारोह में बॉलीवुड के दिग्गज अमिताभ बच्चन और रजनीकांत के बीच एक दिल को छू लेने वाला पल देखने को मिला, जिसमें भव्यता के बीच भाईचारे का सार देखने को मिला।

भारतीय सिनेमा के दो दिग्गज सुपरस्टार अमिताभ बच्चन और रजनीकांत ने अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के जश्न के दौरान मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में अपने रिश्ते को फिर से जीवंत किया। इस कार्यक्रम की वायरल तस्वीरें और वीडियो एक मार्मिक पल को दिखाते हैं, जिसमें रजनीकांत सम्मान के तौर पर अमिताभ बच्चन के पैर छूने के इरादे से उनके पास पहुंचे। हालांकि, अमिताभ बच्चन ने रजनीकांत के इशारे को रोक दिया और इसके बजाय उन्हें गर्मजोशी से गले लगा लिया, जिससे उनके बीच गहरा आपसी सम्मान और दोस्ती का पता चलता है।अमिताभ बच्चन और रजनीकांत का पुनर्मिलन विशेष महत्व रखता है। उन्होंने आखिरी बार 32 साल पहले ब्लॉकबस्टर फिल्म 'हम' में साथ काम किया था। प्रशंसक आगामी तमिल फिल्म 'वेट्टैयान' में उनके ऑन-स्क्रीन पुनर्मिलन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिससे अंबानी विवाह में उनकी दिल को छू लेने वाली मुलाकात को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी का जश्न एक तमाशा रहा, जिसमें बॉलीवुड, व्यापार और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों की कई हस्तियां शामिल हुईं। 13 जुलाई को 'शुभ आशीर्वाद' समारोह ने उनके भव्य समारोह में एक और अध्याय जोड़ा, जिसमें शाहरुख खान, गौरी खान, सलमान खान, आलिया भट्ट और रणबीर कपूर जैसी प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। मनीष मल्होत्रा द्वारा डिजाइन किए गए शानदार परिधानों में सजी राधिका मर्चेंट ने पूरे उत्सव के दौरान अपनी बेदाग शैली से लोगों को आकर्षित किया।

मप्र में गिरते भूजल स्तर को रोकने की रणनीति बनाने की जिम्मेदारी 6 आईएएस अफसरों पर

भोपाल। प्रदेश में भूजल स्तर को गिरने से रोकने के लिए अब बिल्डिंग परमीशन में वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य किया जाएगा। मध्यप्रदेश में भूजल स्तर में लगातार आ रही गिरावट को रोकने के लिए 6 आईएएस अधिकारियों को इसके

लिए पूरी रणनीति बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। मध्यप्रदेश में जल संरक्षण के साथ वाटर हार्वेस्टिंग को बिल्डिंग परमीशन में अनिवार्य रुप से जोड़ने और पर्यवेक्षण जलसंरचनाओं को संरक्षित रखने एवं जीर्णोद्धार करने, वाटर लेबल को उचित मानत तक बनाए रखने की कार्ययोजना बनाई जाएगी। इस कार्ययोजना को तैयार करने की जिम्मेदारी अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास को सौपी गई है। उनके साथ जलसंसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव और नगरीय विकास एवं आवास विभाग तथा उद्यानिकी विभाग के प्रमुख सचिव और कृषि तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव को भी इस पर काम करने के लिए जिम्मेदारी सौपी गई है। ये सभी छह आईएएस अफसर मिलकर पंद्रह दिन के भीतर बैठक करेंगे और प्रदेश में भूजल स्तर रोकने के लिए किए जाने वाले जरुरी उपायों की रूपरेखा बनाकर प्रस्तुत करेंगे।

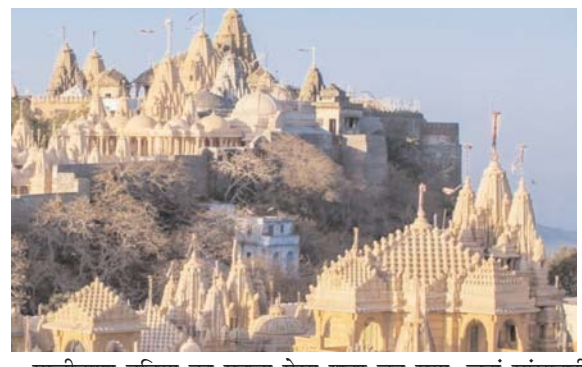

प्रदेश में जो भी जलसंरचना है उनमें शहरों और ग्रामीण अंचलों में मौजूद तालाब, कुए, बाबड़ियों , जलाशयों को किस तरह रिचार्ज करना है। कैसे वर्षा के जल को भूमि में पहुंचाना है। उसके लिए तालाबों पानी अधिक से अधिक पहुंचे उसकी रणनीति बनेगी। कुओं के आसपास भी वाटर हार्वेस्टिंग की जाएगी। पानी को नीचे भूमि में पहुंचाया जाएगा। बाबड़ियों और कुओ को रिचार्ज करने के लिए उनकी सफाई की जाएगी। प्राकृतिक पानी की झिरी खोली जाएंगी। इसके अलावा वर्षा जल वहां आसपास एक जगह संग्रहित कर उसे पाइपों के जरिए जमीन के भीतर तक पहुंचाने का इंतजाम किया जाएगा।

दुनिया का अकेला शहर जहां मांसाहार अपराध है, सभी शाकाहारी

पालीताणा दुनिया का पहला ऐसा शहर बन गया, जहां मांसाहारी भोजन की बिक्री और खाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। गुजरात के भावनगर जिले में स्थित पालीताणा शहर ने एक तरह से यह फैसला करके इतिहास रच दिया। इस ऐतिहासिक फैसले के पीछे जैन साधुओं का लगातार विरोध प्रदर्शन रहा है। 2014 में लगभग 200 जैन साधुओं ने शहर में मांसाहार की लगभग 250 दुकानों को बंद करने की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर दी थी। पालीताणा शहर मुख्य रूप से जैन तीर्थ स्थल के रूप में जाना जाता है और यह फैसला इसकी पवित्रता को बनाए रखने के लिए किया गया है। इसके अलावा, शहर में अब कई शाकाहारी रेस्टोरेंट खुल गए, जो स्वादिष्ट और विविध प्रकार का शाकाहारी भोजन परोसते हैं।

मांसाहार बेचा तो सजा का प्रावधान: सरकार ने जैन समुदाय की भावनाओं का सम्मान करते हुए इस प्रतिबंध को लागू किया है। अब पालीताणा में न सिर्फ मांस और अंडे की बिक्री बंद है, बल्कि जानवरों का कटना भी वर्जित है। जो लोग इस नियम को तोड़ते हैं, उन्हें दंड का प्रावधान है। शाकाहारियों के लिए यह एक बड़ी जीत है और उनकी धार्मिक मान्यताओं के सम्मान का प्रतीक है। साथ ही, यह शाकाहारी जीवन शैली को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम है।

फैसले की आलोचना भी हुई: इस फैसले की आलोचना करने वाले भी हैं। कुछ लोगों का मानना है कि यह खानपान की आजादी में हस्तक्षेप है। कुछ का कहना है कि इससे शहर के पर्यटन पर असर पड़ सकता है। क्योंकि, कई पर्यटक मांसाहारी भोजन पसंद करते हैं। लेकिन, शाकाहारियों के फैसले के सामने मांसाहारी कमजोर पड़ गए और अब ये शहर दुनिया का अकेला शहर है जहां मांसाहार अपराध है।